राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 20 मार्च 2022 वर्ष-4,अंक-53 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

महंगाई को लेकर राहुल गांधी ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

एजेंसी । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आगाह किया कि महंगाई अभी और बढ़ेगी,साथ ही उन्होंने सरकार से देश की जनता की रक्षा के लिए अब कदम उठाने का अनुरोध किया। गांधी ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले ही कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि ने गरीबों और मध्यम वर्ग को कुचल दिया था। उन्होंने कहा, ''यह (महंगाई) और बढ़ेगी क्योंकि कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 100 डॉलर से अधिक है, खाद्य कीमतों में 22 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। कोविड ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित किया है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि ''भारत सरकार को अब कार्रवाई करनी चाहिए और लोगों की रक्षा करनी चाहिए। सरकार ने सोमवार को जो आंकड़ा जारी किया है उसके मुताबिक कच्चे तेल और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने से खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में आठ महीने के उच्चतम स्तर 6.07 प्रतिशत पर पहुंच गई। इस दौरान थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 13.11 प्रतिशत हो गई। यूक्रेन पर 24 फरवरी को रूसी आक्रमण के बाद कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि ने थोक मूल्य सूचकांक पर विपरीत असर डाला है।

उपचुनाव: फैशन डिजाइनर से नेता बनीं अग्निमित्रा पॉल देंगी शत्रुघ्न सिन्हा को चुनौती, कांटे का मुकाबला

एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल लोकसभा पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने बॉलीवुड अभिनेता और टीएमसी नेता शत्रुघ्न सिन्हा के सामने अग्निमित्रा पॉल को अपना उम्मीदवार बनाया है। अग्निमित्रा पॉल शत्रुघ्न सिन्हा को इस उपचुनाव में चुनौती देंगी। पॉल पश्चिम बंगाल भाजपा की महासचिव भी हैं और 2021 के विधानसभा चुनावों में आसनसोल दक्षिण (दक्षिण) से विधायक चुनी गई थीं। उन्होंने तत्कालीन टीएमसी उम्मीदवार सयानी घोष को हराया था। टीएमसी ने आसनसोल से लोकसभा उपचुनाव और बालीगंज से विधानसभा उपचुनाव के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा और बाबुल सुप्रियो को मैदान में उतारा है। सिन्हा और सुप्रियो दोनों कभी भाजपा के सदस्य हुआ करते थे। इस बीच अग्निमित्र पॉल ने कहा कि बाबुल सुप्रियो और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे लोगों के जीवन में कोई विचारधारा या नीति नहीं है। भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी है और पार्टी के लिए कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात कमल है। शत्रुघ्न सिन्हा कभी कांग्रेस में हुआ करते थे, फिर वे भाजपा में शामिल हुए और अब टीएमसी में चले गए। अब वह आप में भी शामिल हो सकते हैं। आसनसोल लोकसभा सीट दो बार के भाजपा सांसद सुप्रियो के पिछले साल अक्तूबर में भाजपा छोड़कर टीएमसी में शामिल होने के बाद खाली हुई थी। बालीगंज विधानसभा सीट राज्य मंत्री सुब्रत मुखर्जी के निधन के बाद खाली हुई थी। उल्लेखनीय है कि आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस ने पूर्व भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री रहे शत्रुघ्न सिन्हा और भाजपा मंत्री रहे शत्रुघ्न सिन्हा और भाजपा के ही एक और पूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री रहे बाबुल सुप्रियो को बालीगंज से प्रत्याशी बनाया है।

83वें स्थापना दिवस पर बोले शाह

कश्मीर में कुछ वर्षों में हो सकता है कि सीआरपीएफकी जरूरत ना पड़े :शाह

एजेंसी ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभाने के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की प्रशंसा करते हुए शनिवार को अर्धसैनिक बल को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के वास्ते एक खाका (रोडमैप) तैयार करने को कहा। शाह यहां मौलाना आजाद स्टेडियम में सीआरपीएफ के 83वें स्थापना दिवस पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह पहली बार है जब सीआरपीएफ के दिल्ली-एनसीआर में स्थित मुख्यालय के बाहर परेड का आयोजन किया गया है। शाह ने सीआरपीएफ दिवस परेड में कहा, ''सीआरपीएफ न केवल एक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल है बल्कि देश का हर बच्चा इसे अपनी बहादुरी और साहस के लिए प्यार करता है। जब भी देश में कहीं भी दंगे होते हैं, सीआरपीएफ की तैनाती लोगों को संतुष्टि देती है। उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ को जो प्यार और सम्मान मिला है, वह उसके जवानों के बलिदान और समर्पण के कारण है। शाह ने कहा, ''चाहे वह मध्य भारत का नक्सल प्रभावित क्षेत्र हो, कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद हो या पूर्वोत्तर में उग्रवादी ताकतें, सीआरपीएफ ने ऐसे समूहों को खत्म करने और तीनों क्षेत्रों में शांति बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने देशभर में एक सराहनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में तीन क्षेत्रों में सीआरपीएफ को फिर से तैनात करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि हम शांति बहाल करने में सक्षम होंगे और अगर ऐसा होता है, तो इसका श्रेय सीआरपीएफ जवानों को जाएगा। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने देशभर में एक सराहनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में तीन क्षेत्रों में सीआरपीएफ को फिर से तैनात करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

शाह ने कहा कि 1990 के दशक में एक समय था जब पूर्वोत्तर में उग्रवाद और कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद अपने चरम पर था और देश में हर कोई चिंतित था। उन्होंने कहा, ''दो दशकों के भीतर, सीआरपीएफ ने अपने समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ देश विरोधी ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जो अब खत्म होने के कगार पर हैं। उन्होंने कहा, ''गृह मंत्री के रूप में, मैं तीन क्षेत्रों के यह आपके पेशेवर तरीके से स्थिति को संभालने के कारण है कि देशवासी शांतिपूर्ण माहौल में सांस ले पा रहे हैं।

त्रिपुरा में माकपा ने उतारा अपना राज्यसभा उम्मीदवार, भाजपा से सीधी लड़ाई

एजेंसी ।

त्रिपुरा में विपक्षी दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने 31 मार्च को राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष माणिक साहा के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारने की घोषणा के साथ ही राज्य से संसद की ऊपरी सदन की एकमात्र सीट के लिए अब सीधी लड़ाई नजर रही है। त्रिपुरा में विप्लव कुमार देव के नेतृत्व में भाजपा सरकार है तथा पिछले तीन वर्षों से देव के कामकाज तथा उनके नेतृत्व को लेकर गुटबाजी भी नजर आ रही है। भाजपा के नेताओं के एक समूह ने हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष साह से मुलाकात की तथा उन्हें पत्र लिखकर इस्तीफे की मांग की जिससे भाजपा की परेशानियां बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश भाजपा के कुछ नेता लंबे समय से साहा के प्रदेश अध्यक्ष बने रहने का विरोध कर रहे हैं। वर्ष 2016 में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने देव को पार्टी की राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाया था। इसके बावजूद वह चुनाव हार गए थे। अध्यक्ष बनने के बाद देव और साहा को प्राथमिक सदस्य के रूप में पार्टी में लाये और जनवरी 2020 में देव के स्थान पर साह प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया था। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले गुट ने राम प्रसाद पॉल, प्रद्योत धर और तापस भट्टाचार्जी जैसे भाजपा के पुराने नेताओं को कथित तौर पर पार्टी में दरकिनार किया गया है। उन्होंने बताया कि भगवा पार्टी के लिए चुनाव जीतना कोई बड़ा मुद्दा नहीं है, लेकिन साहा को भाजपा के सभी 33 विधायकों तथा आठ आईपीएफटी के विधायकों के को सुरक्षित नहीं कर पाते हैं ।

तो पार्टी कके निचले अधिकारियों में बुरा संदेश पहुंचेगा जो अगले साल होने वाले चुनावों में पार्टी के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

महाराष्ट्र: मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे नवाब मलिक

एजेंसी । महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के सभी विभागों को पार्टी के अन्य मंत्रियों में बांटने का निर्णय है। एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। मलिक अभी धन शोधन के एक मामले के सिलसिले में हिरासत में हैं। इस निर्णय के साथ ही शिवसेना नीत महा विकास आघाडी सरकार में मलिक में पास कोई विभाग नहीं बचेगा। राकांपा ने मलिक से इस्तीफा नहीं देने को कहने का भी निर्णय लिया है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने मलिक के इस्तीफे की मांग की है। राज्य सरकार में मलिक के पास कौशल विकास और अल्पसंख्यक मामलों का विभाग था। वह परभणी और गोंदिया जिले के पालक (गार्डियन) मंत्री भी हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कौशल विकास विभाग स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को दिया जाएगा और अल्पसंख्यक मामलों के विभाग का जिम्मा आवास मंत्री जितेंद्र आव्हाड को सौंपा जाएगा। सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे को परभणी जिले का प्रभार दिया गया है। बिजली राज्यमंत्री प्रजाक्त तानपुरे गोंदिया जिले के नए पालक मंत्री होंगे।

दोदिवसीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे जापान के प्रधानमंत्री फोमियो किशिदा, पीएम मोदी के साथ बैठक जारी

एजेंसी ।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा शनिवार को संक्षिप्त यात्रा पर भारत पहुंच हैं। उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक जारी है। किशिदा शनिवार को अपराह्न लगभग 3:0 बजे नई दिल्ली पहुंचे और वह रविवार सुबह आठ बजे यहां से प्रस्थान करेंगे। भारत-जापान के बीच पिछली वार्षिक शिखर बैठक अक्टूबर 2018 में तोक्यो में हुई थी। मोदी और किशिदा की शिखर वार्ता में प्रमुख द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा यूक्रेन के ताजा हालात का मामला भी छाए रहने की संभावना है। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा था, शिखर बैठक दोनों पक्षों को विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने और उन्हें मजबूत बनाने के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर देगी, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता तथा समृद्धि के लिए उनकी साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सके। दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन कानून को लेकर व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी और उनके तत्कालीन जापानी समकक्ष शिंजो आबे के बीच गुवाहाटी में प्रस्तावित वार्षिक शिखर वार्ता रद्द कर दी गई थी। साल 2020 और 2021 में भी कोरोना वायरस महामारी के चलते यह शिखर बैठक नहीं हो सकी थी।

बांग्लादेश में हिन्दू मंदिर में हुई तोड़फोड़ की आरएसएस ने की निंदा, मोदी सरकार से की ये अपील

एजेंसी । आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने बांग्लादेश में हिन्दू मंदिर में कथित तोड़फोड़ की निंदा करते हुए भारत से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की और कहा कि शेख हसीना सरकार वहां अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा करने में पूरी तरह से विफल रही है। इंद्रेश कुमार ने कांग्रेस और सभी विपक्षी दलों से 'धर्म एवं जाति की राजनीति% से उपर उठकर इस घटना की निंदा करने की अपील की। आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारणी के सदस्य ने सरकार से वहां हिन्दुओं पर हमलों को रोकने के लिये बांग्लादेश पर दबाव बनाने की मांग की । उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी देश में हिन्दुओं को निशाना बनाया जाना जारी है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षण एवं संस्थापक कुमार ने मुस्लिम समाज से भी इन हमलों की निंदा करने को कहा। गौरतलब है कि रिपोर्टों के अनुसार, बृहस्पतिवार को ढाका में इस्कॉन राधाकांत मंदिर में 200 लोगों की भीड़ ने कथित तौर पर भक्तों पर हमला किया और तोड़फोड़ की । कुमार ने आरोप लगाया कि ढाका में वारी में 222 लाल मोहन साह मार्ग पर इस्कॉन राधाकांत मंदिर में 200 से अधिक लोगों की भीड़ ने हमला किया और वहां तोड़फोड़ की । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता ने कहा कि बांग्लादेश में हर त्योहार के मौके पर सुनियोजित साजिश के तहत हिन्दुओं को निशाना बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले दुर्गापूजा के अवसर पर भी ऐसी घटना घटी थी। कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसिना के नेतृत्व वाली सरकार बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा करने में पूरी तरह से विफल रही है। यह भयावह है। वहीं, विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के संयुक्त महामंत्री डा. सुरेन्द्र जैन ने कहा कि हाल ही में बांग्लादेश के ढाका में राधाकांत मंदिर पर 200 से अधिक कट्टरपंथियों द्वारा हमला किये जाने और तोड़फोड़ करने की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब बांग्लादेश में त्योहार के मौके पर हिन्दुओं को ऐसे तत्वों के हमले का सामना करना पड़ता है। जैन ने कहा कि बांग्लादेश सरकार हिन्दुओं की सुरक्षा के लिये जवाबदेह है लेकिन वहां हिन्दुओं को डर के साये में रहना पड़ रहा है।

गोवा में चुनाव में खराब प्रदर्शन पर कांग्रेस और जीएफपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू

एजेंसी ।

हाल के चुनावों में खराब प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस और सहयोगी गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है क्योंकि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की फिर से सत्ता में वापसी होती दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गोवा चुनाव में कुल 40 सीटों में से 20 पर जीत हासिल की और उसे महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) और तीन निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन हासिल है। हालांकि, भाजपा ने अगली सरकार बनाने का दावा अभी पेश नहीं किया है। पार्टी का यह लगातार तीसरा कार्यकाल होगा। कांग्रेस के उत्तरी गोवा जिला अध्यक्ष विजय भिके ने कहा कि चुनावों के लिए जीएफपी के साथ गठजोड़ करना कांग्रेस का गलत फैसला था, जिसके बाद वाकयुद्ध छिड़ गया। भिके ने शुक्रवार को उत्तरी गोवा के सालिगाओ निर्वाचन क्षेत्र में कहा, ''मुझे लगता है कि हमने जीएफपी के साथ गठजोड़ करके गलत फैसला किया क्योंकि गठबंधन से कांग्रेस को किसी भी तरह का फायदा नहीं हुआ, लेकिन दूसरी पार्टी ने इसका फायदा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जीएफपी प्रमुख विजय सरदेसाई पार्टी उम्मीदवारों के लिए मयेम और मंद्रेम सीटें जीतने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि 2022 के चुनावों में जीएफपी की वोट हिस्सेदारी, 2017 के 3.5 प्रतिशत से गिरकर 1.8 प्रतिशत हो गई। गोवा चुनावों के 10 मार्च को घोषित परिणाम में भाजपा ने सबसे अधिक 20 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 11 (2017 की तुलना में छह सीटों का नुकसान), जीएफपी ने एक (दो सीटों का नुकसान), एमजीपी ने दो, आम आदमी पार्टी ने दो, रेवोलुशनरी गोवन्स पार्टी ने एक सीट पर जीत हासिल की। तीन निर्दलीय भी जीते। जीएफपी उम्मीदवार संतोष कुमार सावंत (मयेम) और दीपक कलंगुटकर (मंद्रेम) ने शनिवार को भिके पर निशाना साधा। कलंगुटकर ने कहा, ''सब लोगों को यह भी याद रखना चाहिए कि जीएफपी के अध्यक्ष विजय सरदेसाई ने 2020 में भाजपा के खिलाफ टीम गोवा (गठबंधन) बनाने का आह्वान किया था। हालांकि, कांग्रेस ने इस पर तब तक कदम नहीं उठाया जब तक सरदेसाई नयी दिल्ली में राहुल गांधी से नहीं मिले और 2022 के चुनाव के लिए गठबंधन नहीं किया।

उन्होंने कहा कि सरदेसाई के राहुल गांधी से मिलने के बाद भी, कांग्रेस के स्थानीय नेता कहते रहे कि ''गठबंधन की घोषणा होनी बाकी है , जिससे गठजोड़ पर संदेह पैदा हो गया । गोवा में नयी सरकार के गठन में भाजपा द्वारा 'देरी पर सवाल गोवा में नयी सरकार के गठन में भाजपा द्वारा 'देरी पर सवाल उठते हुए कांग्रेस ने एक दिन पहले कहा था कि वह भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए सभी संभावित विकल्पों पर विचार करने के लिए तैयार है। हालांकि, भाजपा विधायकों के एक समूह ने कहा कि पार्टी अगले चार या पांच दिनों में सरकार बनाने का दावा पेश करेगी।

कोरोना के नए मामलों में 18 फीसदी की गिरावट, पिछले 24 घंटों में 2,075 नए मामले, 71 लोगों की मौत

एजेंसी ।

देश में कोरोना का कहर अब कम होता दिखाई दे रहा है। महामारी के नए मामलों में आज 18 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 2,075 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,30,06,080 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 27,802 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 71 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,16,352 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 27,802 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.06 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,379 की कमी दर्ज की गई है। स्वस्थ होने की दर 98.73 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक दैनिक संक्रमण दर 0.56 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.41 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 3,70,514 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई और अब तक 78.22 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच हुई है। संक्रमण से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4,24,61,926 हो गई है वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कोविड-19 रोधी टीकों की 181.04 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

सोमवार को भारत लाया जाएगा यूक्रेन में मारे गए छात्र नवीन का शव

नेशनल डेस्क । कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कहा है कि यूक्रेन में एक मार्च को गोलाबारी में मारे गए नवीन एसजी का शव सोमवार को यहां लाया जाएगा न कि रविवार को, जैसा कि पहले कहा गया था। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को ट्वीट किया, यूक्रेन में हाल ही में रूसी गोलाबारी में मारे गए नवीन ज्ञानगौड़ा का पार्थिव शरीर सोमवार को तड़के तीन बजे बेंगलुरु लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा था कि शव रविवार को लाया जाएगा। उनके करीबी अधिकारियों ने कहा कि शव लाने को लेकर भ्रम की स्थिति थी। बोम्मई के एक करीबी ने बताया, अब यह स्पष्ट कर दिया गया है कि शव सोमवार को लाया जाएगा न कि रविवार को, जैसा कि पहले कहा गया था। खारकीव शहर में मेडिकल के चौथे वर्ष के छात्र नवीन की उस समय मौत हो गई थी जब वह खाने-पीने का सामान और पैसे लेने के लिए बंकर से निकला था। कर्नाटक में हावेरी के रानेबेन्नूर तालुक के चालगेरी गांव का 22 वर्षीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौड़ा का दूसरा पुत्र था। ज्ञानगौड़ा अपने बेटे के शव को अंतिम संस्कार के लिए भारत लाने की मांग कर रहे हैं। रानेबेन्नूर तालुक के चालगेरी गांव का 22 वर्षीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौड़ा का दूसरा पुत्र था। ज्ञानगौड़ा अपने बेटे के शव को अंतिम संस्कार के लिए भारत लाने की मांग कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रंग जाता है। - विनोबा भावे

संपादकीय

कार्यसमिति की बैठक

हाल के पांच राज्यों के चुनाव में देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की जो स्थिति बनी, उसके बाद संगठनात्मक सुधारों की मांग का जोर पकड़ना स्वाभाविक ही था, जिसके चलते रविवार को बुलाई गई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक इसकी ही परिणति थी। हालांकि, समिति की बैठक के बाद वरिष्ठ कांग्रेसियों के जो बयान सामने आये, उनसे लगता है वे राहुल गांधी को पूर्णकालिक अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं। वहीं पंजाब में कांग्रेस की दुर्गति के लिये अंदरूनी कारणों को जिम्मेदार कहा गया। लेकिन फिर भी पार्टी में सुधार व बदलाव की जरूरत को स्वीकार किया गया। बहरहाल, हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों ने संकेत दे दिया है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी पराभव के सबसे बुरे दौर में है, जो बताता है कि वर्ष 2024 के आम चुनाव में बिना बदलाव व विपक्षी एकजुटता के उसका भाजपा का विकल्प बनना संभव नहीं है। कांग्रेस के पराभव की बानगी देखिये कि वर्ष 2014 में भाजपा के केंद्रीय सत्ता में आते वक्त नौ राज्यों में शासन कर रही थी, अब पंजाब में पराजय के बाद यह संख्या दो रह गयी है। इस साल के अंत में वह हिमाचल में वापसी की कोशिश कर रही है लेकिन राज्य के कर्णधार वीरभद्र की अनुपस्थिति में यह चुनौती कठिन है। वहीं कांग्रेस शासित बचे दो राज्यों राजस्थान व छत्तीसगढ़ में 2023 में चुनाव होंगे। ऐसे में आम चुनाव से पहले वर्ष में भाजपा से पार्टी को बड़ी चुनौती मिलेगी। निस्संदेह, कांग्रेस का यह पराभव देश में उस मध्यमार्गी विकल्प का क्षरण करता है जो राष्ट्रीय चुनाव राजनीति को संबल देता है, जिसमें विभिन्न विचारधाराओं व महत्वाकांक्षाओं के साथ विपक्षी दल जुटते हैं। निस्संदेह, बहुमत वाली सरकार को जवाबदेह बनाने के लिये देश में मजबूत विपक्ष की जरूरत होती है। तभी तीन दशक में पराभव के बावजूद कांग्रेस भाजपा का व्यावहारिक विकल्प नजर आती है। लेकिन मौजूदा हालात देखकर दिग्गज कांग्रेसियों का भी धैर्य जवाब दे रहा है। भले ही पिछले दो आम चुनाव में कांग्रेस का वोट शेयर 19 फीसदी यानी भाजपा के बाद दूसरे नंबर पर रहा हो, लेकिन उसमें अभी भी भारतीय नागरिकों के नेतृत्व की क्षमता है। संगठनात्मक सुधारों व रीति-नीतियों में बदलाव लाकर वह भाजपा के लिये एकल चुनौती बन सकती है। कुछ लोग पार्टी का गांधी परिवार की आभा से मुक्त न हो पाना भी इसकी वजह बताते हैं। वर्ष 2019 में अध्यक्ष के रूप में राहुल के इस्तीफे के बाद सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष के रूप में पार्टी का नेतृत्व कर रही हैं। अब पार्टी नेता राहुल गांधी को पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाने की मांग कर रहे हैं। तो क्या संगठनात्मक सुधार के बिना इस बदलाव से कांग्रेस का पराभव रुक पायेगा? पार्टी को विचार करना होगा कि कभी कांग्रेस की सत्ता की राह रहे उ.प्र. में प्रियंका गांधी की पूरी ताकत झोंकने व महिलाओं, किसानों व बेरोजगारों के मुद्दे को लेकर मुहिम चलाने के बाद पार्टी की ये स्थिति क्यों हुई? क्या भाजपा का कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा हकीकत में बदल रहा है?

आज के कार्टून

अहिंसा

आचार्य रजनीश ओशो/ मेरा मानना है कि आचरण से अहिंसा उपलब्ध नहीं होती। मैंने यह नहीं कहा कि अहिंसा से आचरण उपलब्ध नहीं होता। इसके फर्क को समझ लीजिए आप। हो सकता है कि मैं मछली न खाऊं, लेकिन इससे मैं महावीर नहीं हो जाऊंगा, लेकिन यह असंभव है कि मैं महावीर हो जाऊं और मछली खाऊं। इस फर्क को आप समझ लें। आचरण को साध कर कोई अहिंसक नहीं हो सकता, लेकिन अहिंसक हो जाए तो आचरण में अनिवार्य रूपांतरण होगा। दूसरी बात यह कि मैंने बुद्ध और महावीर को अहिंसक कहा, लेकिन बुद्ध मांस खाते थे। बुद्ध मरे हुए जानवर का मांस खाते थे। उसमें कोई भी हिंसा नहीं है, लेकिन महावीर ने उसे वर्जित किया किसी संभावना के कारण। इसे लेकर उनके मन में किसी भी तरह की दुविधा वाली स्थिति नहीं थी। जैसा कि आज जापान में है। सब होटलों के, दुकानों के ऊपर तख्ती लगी हुई है कि यहां मरे हुए जानवर का मांस मिलता है। अब इतने मरे हुए जानवर कहां से मिल जाते हैं, यह वाकई सोचनीय विषय है। बुद्ध चूक गए, बुद्ध से भूल हो गई। हालांकि मरे हुए जानवर का मांस खाने में हिंसा नहीं है, क्योंकि मांस का मतलब है कि मार कर खाना। मारा नहीं है तो हिंसा नहीं है, लेकिन यह कैसे तय होगा कि लोग फिर मरे हुए जानवर के नाम पर मार कर नहीं खाने लगेंगे! इसलिए बुद्ध से चूक हो गई है और उसका फल पूरा एशिया भोग रहा है। बुद्ध की बात तो बिल्कुल ठीक है, लेकिन बात के ठीक होने से कुछ नहीं होता; किन लोगों से कह रहे हैं, यह भी सोचना जरूरी है। महावीर की समझ में भी आ सकती है यह बात कि मरे हुए जानवर का मांस खाने में क्या कठिनाई है। जब मर ही गया तो हिंसा का कोई सवाल नहीं है, लेकिन जिन लोगों के बीच हम यह बात कह रहे हैं, वे कल पीछे के दरवाजे से मार कर खाने लगेंगे। वे सब सज्जन लोग हैं, वे सब नैतिक लोग हैं, बड़े खतरनाक लोग हैं। वे रास्ता कोई-न-कोई निकाल ही लेंगे, वे पीछे का कोई दरवाजा खोल ही लेंगे, तरकीब तलाश ही लेंगे। मैं बुद्ध और महावीर दोनों को पूर्ण अहिंसक मानता हूं और ऐसा सोचते हुए मेरे मन में किसी भी तरह की दुविधा नहीं है। बुद्ध की अहिंसा में रत्ती भर कमी नहीं है, लेकिन बुद्ध ने जो निर्देश दिया है, उसमें चूक हो गई है। वह चूक समाज के साथ हो गई है। अगर समझदारों की दुनिया हो तो चूक होने का कोई कारण नहीं है।

गुदगुदी वाली खुशी नहीं, अंदर की खुशी का अहसास कीजिए!

(अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस : 20 मार्च) (लेखिका- सोनम लवंशी)

खुश हो जाइए, क्योंकि आज (20 मार्च) 'अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस' है। आप अभाव में हों, तनाव में हों, अवसाद ने आपको घेर रखा हों फिर भी आप दिनभर हंसिए और खुशियां मनाइए! इस साल की थीम 'बिल्ड बैक हैप्पीयर' है, जो महामारी से वैश्विक स्वास्थ्य लाभ पर केंद्रित है। लेकिन, क्या ऐसा संभव है! महामारी की पीड़ा क्या इतनी क्षणिक थी कि उसे भुलाया जाए! आंकड़ों की गवाही है कि प्रसन्नता यानी खुशी के मामले में हमारा देश लगातार पिछड़ता जा रहा है। 'विश्व प्रसन्नता दिवस' मनाने की शुरुआत 2013 में हुई थी। उस समय हम खुशियों की रैंक में 111 वें पायदान पर थे। 2021 में भारत 149 देशों की सूची में प्रसन्नता के स्तर में 139 वीं पायदान पर पहुंच गया। 25 प्रतिशत की गिरावट यह बताने के लिए काफ़ी है कि खुशियों की राह में हम कितना पिछड़ गए। आश्चर्य की बात है कि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से भी हमारी खुशी निचले पायदान पर है। कहने को हम दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में दूसरी सबसे ज्यादा आबादी हमारी है, पर खुशियों के पैमाने में हम बहुत निचले स्तर पर हैं। भूटान ने 1972 में 'हैप्पीनेस इंडेक्स' का मॉडल बनाया था! वहाँ जीडीपी (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट) के बजाए लोगों की खुशियों को देश की समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। जबकि, अभी तो वो फ़ार्मूला ही नहीं बना जो लोगों की खुशी मापने का मीटर हो! दुनिया में कई जगह लोगों के जीवन में खुशहाली लाने का काम हो रहा है। लेकिन, खुशहाली लाने के लिए सबसे पहले सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभाना होती है। वो सारे प्रयास करना होते हैं, जिससे लोगों की व्यक्तिगत मुसीबतें ख़त्म हों और वे खुश हों! सरकारी गुदगुदी से कोई खुलकर कैसे हँस सकेगा! जिनके जीवन में तनाव, अभाव और हर वक़्त भविष्य की चिंता हो, उन्हें अंतर्मन की खुशी कैसे दी जा सकती है! भूटान के अलावा वेनेजुएला, यूएई में भी ये प्रयोग हो चुके हैं।

जिंदगी के तौर तरीके जिस तरीके से बदल रहे है, उनसे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि हम तरक्की के नए आयाम भले गढ़ रहे हों, पर हमारे अंदर की इंसानियत पीछे छूट रही है। छोटी-छोटी बातों पर लोग मरने या मारने को तैयार होते हैं। निराशावादी ने लोगों को इतना जकड़ लिया कि वे उससे बाहर निकलना ही नहीं चाहते! क्या वजह है कि हम अपनी संस्कृति को बिसरा रहे है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मां कश्चित् दुख भाग भवः' की संस्कृति मानने वाले हम यही कामना करते थे कि सभी सुखी हो, सभी निरोगी हों, सभी के साथ अच्छा हो किसी को दुःख न मिले। फिर ऐसी क्या वजह आ गई जो हम अपनों के ही दर्द की वजह बनते जा रहे हैं। रिश्तों की डोर इतनी नाजुक क्यों हो गई कि वो जरा से तनाव में दरक जाती है। हम बुलंदियों का आसमान छू रहे हैं, लेकिन मन को दो पल का सुकून नसीब नहीं हो रहा। वास्तव में खुशी को किसी परिभाषा में नहीं समेटा जा सकता है। हिन्दू शास्त्रों में भी खुशी को परम आंनद कहा गया है। 6ठी सदी के दार्शनिक और बुद्धिजीवी आदी शंकराचार्य ने कहा था 'अल्पकालिक वस्तुओं के प्रति उदासीनता और आंतरिक चेतना के साथ संबंध ही सच्ची प्रसन्नता है।' वहीं 350 ईसा पूर्व लिखे गए 'निकोमैचियन एथिक्स' में अरस्तू ने कहा था 'धन, सम्मान, स्वास्थ्य या दोस्ती के विपरीत, खुशी ही एकमात्र ऐसी चीज है, जो मनुष्य अपने लिए चाहता हैं।' अरस्तू ने तर्क दिया था कि अच्छा जीवन उत्कृष्ट तर्कसंगत गतिविधि का जीवन है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा ही है कि फल की आशा के बिना निरपेक्ष भाव से किया गया कर्म ही सर्वोत्तम है। यह सच भी है कि जहां स्वार्थ होगा वहां छल कपट भी होगा। स्वार्थ से परे ही सच्चा सुख प्रसन्नता की राह सुगम बनाता है। हमारी संस्कृति ने दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाया। विश्व को योग, ध्यान और अध्यात्म सिखाया। फिर देश किस राह पर चल पड़ा! हमारी खुशी का स्तर गिरता क्यों जा रहा है। क्या सिर्फभोग विलास ही सुखी जीवन का पैमाना बन गया। आधुनिकता की चकाचौंध में इंसान अंधा हो गया। इसलिए वह अपने सामाजिक मूल्यों का पतन करने से भी पीछे नहीं हटता। बाजारवाद की प्रवृत्ति में इंसान की इंसानियत गुम हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में सबसे अवसादग्रस्त लोगों का देश बन गया है। एक तरफतो हम विश्व गुरु बनने का दंभ भरते नहीं थकते। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की बात करते है। लेकिन, अपने ही परिवार में बूढ़े, बुजुर्ग अकेले हो गए। कोरोना काल ने हमें अकेले रहने की पीड़ा का एहसास जरूर कराया, लेकिन अकेले रहने का दर्द जस का तस बना हुआ है। हमने घर तो मजबूत बना लिए पर रिश्ते की डोर बहुत ही कमजोर कर ली। जहां कभी एक छत के नीचे पूरा परिवार खुशी मनाता था आज हम अपने ही कमरे में कैद होकर रह गए है! आज दुनिया 'ग्लोबल विलेज बनती जा रही है। चंद पलों में हम मीलों का सफ़र तय करने में सक्षम हो गए हो, सूचना के बड़े बड़े माध्यम बनाने में सफलता हासिल कर ली है, लेकिन दिलों में दूरियों की गहरी खाई बना बैठे है। आज हमें जरूरत है कि हम अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर न रहे। अपनी ज़िंदगी के निर्माता स्वयं बने। जिस दिन हम सही गलत का निर्णय करने में सक्षम हो जाएंगे। भौतिकवाद से परे मानवता की राह पकड़ लेंगे तो उससे अच्छी खुशी कोई और नहीं होगी। लगता है 'खुशी' और 'सुविधा' के फर्क को ठीक से नहीं समझा गया! 'खुशी' किसी को दी नहीं जा सकती, ये अनुभूति है जो अंदर से उपजती है! उसे खोजना भर होता है। लोगों के अभाव की पूर्ति कर देने से वो व्यक्ति सुखी तो हो सकता है, पर खुश नहीं! ये भी कहा जा सकता है कि खुशी कभी खो नहीं सकती, इसलिए उसे पाया भी नहीं जा सकता! वह तो मौजूद है, उसे केवल जाना जाता है। कहा ये भी जाता है कि जो आनंद फक्कीरी में है, वो अमीरी में कहाँ! धन, दौलत, पद या प्रतिष्ठा से आनंद नहीं आता, बल्कि सकारात्मक सोच जीवन को खुशियों से भरता है। भौतिक समृद्धि महज सुविधा है, खुशी नहीं। इससे कभी आंतरिक खुशी और शांति नहीं मिलती। यदि हम खुशी चाहते हैं, तो हमें ऐसे वातावरण का निर्माण करना होगा, जिससे लोगों को वास्तविक आनंद की अनुभूति हो। गुदगुदाने से भी हँसी आती है, खुशी नहीं होती। 'खुशी' और 'सुख' में अकसर कहीं न कहीं भ्रम होता है। आनंद की अनुभूति बाहर से नहीं होती, ये अन्तर्निहित है। इसलिए सुविधाभोगी सुख को आनंद नहीं समझा जाना चाहिए। 'खुशी' और 'सुख' में बड़ा अंतर है। अभाव के कारण दुख होना स्वाभाविक है, पर सुख होने पर खुशी की अनुभूति होगी, ये नहीं कहा जा सकता! खुशी का सही मतलब है जहाँ बाहर की कोई भी प्रतिक्रिया हमें प्रभावित नहीं करे, न दुख का न सुख का! सुख और दुख बाहर से आई हुई अनुभूतियां हैं। 'खुशी' वह अनुभूति है, जिसमें बाहर से कुछ नहीं आता। 'आनंद' बाहर का अनुभव न होकर स्वयं का अनुभव है। लोगों के जीवन में खुशहाली लाने का काम किसी और का नहीं, ये वैयक्तिक है और नितांत सत्य भी! गरीबों को पुराने कपड़े बाँट देने, उसे उसकी जरूरतों का सामान दे देने या उनके साथ थोड़ी देर पतंग उड़ा लेने से किसी को 'खुशी' की अनुभूति हो जाएगी, ये कैसे संभव है! सिर्फगरीब को ही खुशी जरुरत है, सोच भी सही नहीं कहा जा सकता! गुदगुदाकर किसी को थोड़ी देर तो हंसाया जा सकता है। पर, ये दिल से निकली खुशी नहीं होगी! जब तक निजी जिंदगी में निश्चिंतता का आभास नहीं होगा, खुशियां दस्तक नहीं दे सकती। साथ में मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग अपना तनाव दूर करने के लिए कई बार साथ खड़े होकर बेवजह हंस लेते हैं! लॉफ्टिंग क्लब भी इसी मकसद से बनाए जाते हैं, पर उससे वास्तविक खुशी किसी को नहीं मिलती। चुटकुले सुनकर भी हंसी आ जाती है, गुदगुदी भी हंसाती है! पर, ये सब कहीं से भी सच्ची खुशी नहीं होती! क्योंकि, ये क्षणिक है। जिन लोगों के जीवन में तनाव है, अभाव है और हर वक़्त चिंता है। उनको कोई खुशी आनंदित नहीं कर सकती! खुशहाली का समृद्धता से भी कोई वास्ता नहीं होता! कुछ लोग तो अभाव को अपनी नियति समझकर भी खुश रहते हैं!

आजादी की चिंगारी, वीरांगना रानी अवंती बाई

(लेखक - हेमेन्द्र क्षीरसागर/ 20 मार्च, बलिदान दिवस विशेष)

अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति, महान वीरांगना रानी अवन्ती बाई ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। अपनी मातृभूमि की रक्षा के खातिर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 1857 के क्रान्ति में रानी अवन्ती बाई का वही योगदान है जो रानी लक्ष्मी बाई का है। इसी कारण रानी अवन्ती बाई की तुलना रानी लक्ष्मी बाई से की जाती है। इतिहास इन दोनों महान वीरांगनाओं का हमेशा ऋणी रहेगा। रानी अवन्ती बाई का अवतरण 16 अगस्त 1831 को ग्राम मनकेहणी जिला सिवनी, मध्यप्रदेश के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। इनकी शिक्षा दीक्षा ग्राम मनकेहणी में हुई। जुझार सिंह ने अपनी कन्या अवंती बाई का विवाह रामगढ़ रियासत के राजा लक्ष्मण सिंह लोधी के पुत्र राजकुमार विक्रमादित्य सिंह लोधी के सांथ तय किया। 1850 में राजा लक्ष्मण सिंह के निधन के बाद राजकुमार विक्रमादित्य ने राजगद्दी संभाली। विक्रमादित्य वचपन से ही वीतरागी प्रवृत्ति के थे। पूजा पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में लगे रहते थे। इनके दो पुत्र थे अमान सिंह और शेर सिंह। इनके दोनों पुत्र छोटे ही थे की राजा विक्षिप्त हो गए और राज्य की सारी जिम्मेदारी रानी अवन्तीबाई के कन्धों पर आ गई।

यह समाचार सुनकर अंग्रेजों ने रामगढ राज्य पर ''कोर्ट ऑफ़ वार्ड्स'' की कार्यवाही की एवं राज्य के प्रशासन के लिए सर बराहकार नियुक्त कर शेख मोहम्मद और मोहम्मद अब्दुल्ला को रामगढ़ भेजा। जिससे रामगढ राज्य ''कोर्ट ऑफ़ वाड्स'' के अधीन चला गया। अंग्रेजों कि इस हड़प नीति को रानी जानती थी और दोनों सरबराहकारों को रामगढ़ से बाहर निकाल दिया। लार्ड डलहोजी की राजे रजवाड़ों को हडपने की नीति जिसे डलहोजी की हड़प नीति' कहा गया। जिसके कारण सतारा , जैतपुर, संभलपुर, बघाट, उदयपुर ,नागपुर, झाँसी सहित कई देशी रियासतों का अंग्रजी साम्राज्य में विलय कर दिया गया। अन्य रियासतों को हडपने का अंग्रजी कुचक्र देश जोर-सोर से चल रहा था। अंग्रजों के इस कुचक्र का राजे रजवाड़ों ने विरोध किया। जिसका रानी अवन्तीबाई ने भी विरोध किया। पुरवा में आस-पास के राजाओं और जमीदारों का विशाल सम्मलेन बुलाया। जिसकी अध्यक्षता 70 वर्षीय गोंड राजा शंकर शाह ने की। राजा शंकर शाह को मध्य भारत में क्रांती का नेता चुना गया। इस सम्मलेन में प्रचार प्रसार का कार्य रानी अवंतीबाई को सोंपा गया। प्रचार के लिए एक पत्र और दो काली चूड़ियों की एक पुड़िया बनाकर प्रसाद के रूप में वितरित की गईं। इसके पत्र में लिखा गया -''अंगेजों से संघर्ष के लिए तैयार रहो या चूड़ियाँ पहनकर घर बैठो। तुम्हें धर्म, ईमान की सौगंध है, जो इस कागज का सही पता बैरी को दो''। जो राजा, जमींदार और मालगुजार पुड़िया ले तो इसका अर्थ क्रांति में अंग्रेजों के विरुद्ध अपना समर्थन देना था। इस समय तक मंडला नगर को छोड़कर पूरा जिला अंग्रेजों से मुक्त हो चुका था। 23 नवम्बर 1857 को मंडला के पास अंग्रेजों और रानी अवन्तीबाई के बीच भीषण युद्ध हुआ। इस युद्ध में मंडला का अंग्रेज डिप्टी कमिश्नर वाडिंग्टन पूरी शक्ति लगाने के बाद भी कुछ ना कर सका और मंडला छोड़ सिवनी भाग गया। इस प्रकार पूरा मंडला और रामगढ़ स्वतंत्र हो गया। इस प्रकार पूरा मंडला जिला और रामगढ़ राज्य स्वतंत्र हो गया। अंग्रेज अपनी हार से बौखलाए हुये थे और अपनी हार का बदला लेना चाहते थे। अंग्रेज लगातार अपनी शक्ति सहेजते रहे अंग्रेजों ने 15 जनवरी 1858 को घुघरी पर नियंत्रण कर लिया। मार्च 1858 के दूसरे सप्ताह में रीवा नरेश की सहायता से रामगढ को घेरकर हमला बोल दिया। वीरांगना रानी अवन्तीबाई की सेना जो अंग्रेजों की सेना की तुलना में बहुत छोटी थी फिर भी साहस पूर्वक अंग्रेजों का सामना किया। रानी ने परिस्थितियों को भांपते हुये अपने किले से निकलकर डिंडोरी के पास देवहारगढ़ की पहडियों की ओर प्रस्थान किया। अंगेजों की सेना रानी अवन्ती बाई का पता लगाते हुये देवहारगढ़ की पहडियों तक पहुँच गई। यहां वीरांगना रानी अवन्ती बाई पहले से ही मोर्चा लगाये बैठी थी। कालगलवित, 20 मार्च 1858 को रानी अवन्ती बाई ने शाहपुर के पास स्थित तालाब के पास बने मंदिर में पूजा अर्चना की और युद्ध मैदान में उतर

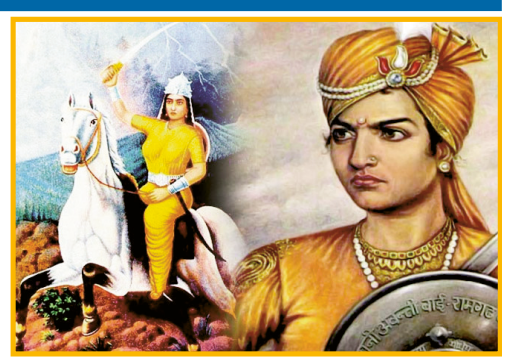

गई। यहां अंग्रेजों और रानी के बीच घमसान युद्ध हुआ। रानी अवन्ती बाई ने अपने आप को अंग्रेजों से घिरता देख वीरांगना रानी दुर्गावती का अनुकरण करते हुए अपनी तलवार निकाली और कहा ' हमारी दुर्गावती ने जीते जी वैरी के हांथ अंग ना छुए जाने का प्रण लिया था। इसे ना भूलना'' इतना कहकर रानी ने अपने सीने में मारकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दे दिया। शौर्यगाथा, वीरांगना जब मृत्यु सैय्या पर थीं तब उन्होंने अंगेजों को अपना बयान दिया कि ''ग्रामीण क्षेत्र लोगों को मैंने ही विद्रोह के लिए भड़काया, उकसाया था, प्रजा बिलकुल निर्दोष है ''। इस प्रकार वीरांगना ने वीरगति में भी हजारों लोगों को अंग्रेजों द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से बचा लिया। वरेण्यं, क्रांति मुक्त आंदोलन की सूत्रधार, आजादी की चिंगारी, वीरांगना रानी अवन्ती बाई के श्री चरणों में बलिदान दिवस पर शत-शत नमन्!

सू-दोकू नवताल -2072

1	8		3			4		6
	9		5		4		8	
6					1	2		
	4		6					
3		6		7		5		9
					5		1	
		3	8					4
	1		7		6		5	
7		2			9		3	8

सू-दोकू -2071 का हल

8	3	1	9	5	4	2	6	7
2	5	9	6	3	7	8	1	4
4	6	7	2	1	8	3	5	9
3	1	6	5	4	2	9	7	8
9	4	5	8	7	1	6	2	3
7	2	8	3	9	6	1	4	5
5	7	2	1	8	9	4	3	6
1	8	3	4	6	5	7	9	2
6	9	4	7	2	3	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2072

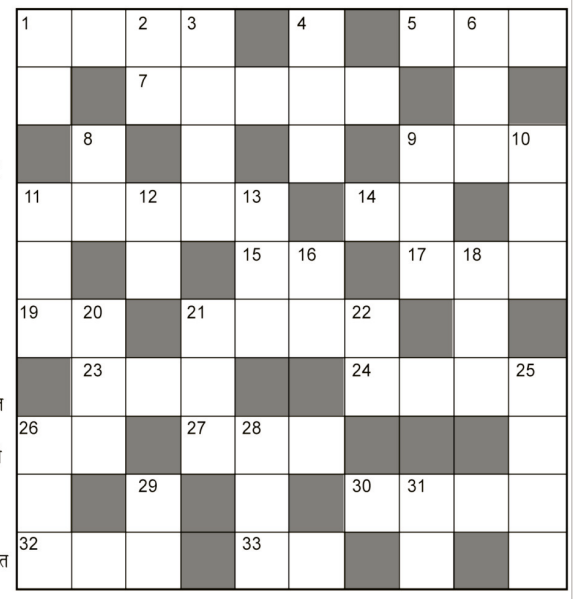

बायें से दायें:-

1. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-2,2
5. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-3
7. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-2,3
9. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-3
11. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-2,3
14. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-2
15. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-2
17. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-3
19. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-2
21. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-4
23. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-3
24. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-2,2
26. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
27. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-3
30. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-4
32. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-3
33. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-2
2. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-2
3. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-4
4. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-3
6. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-3
8. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-2
9. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-3
10. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-3
11. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-3
12. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-2
13. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-3
16. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-2
18. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-3
20. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-3
21. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-2,1
22. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-2
25. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-4
26. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-3
28. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-3
29. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-2
31. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2071

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
जी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		र्जी		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		इ		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्री-बुकिंग विंडो 15 से 30 मार्च तक खुली रहेगी

इलेक्ट्रिक बाइक की बुकिंग पर मिल रही छूट

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक बाइक बनाने वाली कंपनी नहक मोटर्स की इलेक्ट्रिक बाइक की बुकिंग पर भारी छूट मिल रही है। कंपनी की प्री-बुकिंग विंडो 30 मार्च तक खुली रहेगी। कंपनी ने घोषणा की है कि उसने अपनी आगामी नहक पी-14 हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक की प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी का कहना है कि प्री-बुकिंग विंडो 30 मार्च तक सीमित अवधि के लिए खुली रहेगी। कंपनी इसी साल मई में बाइक की डिलीवरी शुरू करने की योजना बना रही है। नहक पी-14 की कीमत रुपए 2.49 लाख (एक्स-शोरूम) रखी गई है और इसे कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट पर रुपए11,000 की टोकन राशि पर बुक किया जा सकता है। कंपनी प्री बुकिंग अवधि के दौरान एमआरपी पर 10प्रतिशत की छूट भी दे रही है। प्री-बुकिंग की शुरुआत के बारे में बोलते हुए नहक ग्रुप के चेयरमैन प्रवत नाहक ने कहा, ÷ लोगों को बेहतर गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिक बाइक के ऑप्शन देना हमारी जिम्मेदारी है। हालांकि, स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक में अब तक स्पीड को नजरअंदाज किया जाता रहा है। हम इसे एक उज्जवल और तेज भविष्य के लिए बदल रहे हैं। हम नाहक पी-14 के साथ इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में हाई स्पीड पेश कर रहे हैं। कंपनी का दावा है कि यह भारत की पहली हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक है, जिसकी टॉप स्पीड 135 केएमपीएच है। बाइक लिथियम आयन बैटरी 72वी 60एएच से लैस है जिसे घर पर भी चार्ज किया जा सकता है और फुल चार्ज होने में लगभग 3 घंटे का समय लगता है।

यह बाइक फास्ट चार्जिंग विकल्प के साथ भी उपलब्ध है जो केवल 30 मिनट में बैटरी को चार्ज कर देती है। प्रवत नाहक ने आगे कहा, हमने अपनी वेबसाइट के माध्यम से भारत की पहली हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक नहक पी-14 की प्री बुकिंग शुरू कर दी है। कोई भी 11 हजार रुपये में इस शानदार इलेक्ट्रिक बाइक की बुकिंग कर सकता है।

ब्रिटेनिया का वर्ष 2024 तक 50 प्रतिशत महिला कर्मचारी शामिल करने का लक्ष्य

कोलकाता ।

दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनी ब्रिटेनिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीआईएल) ने कहा है कि उसका 2024 तक अपने कारखाने के कर्मचारियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। कंपनी के मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) अमित दोषी ने कहा कि वर्तमान में कंपनी के कारखाने के कर्मचारियों में 38 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा` कि हमारा लक्ष्य वर्ष 2024 तक 50 प्रतिशत का विविधता अनुपात हासिल करना है। अभी इस मामले में हमारे कारखानों में मौजूदा राष्ट्रीय औसत 38 प्रतिशत है। दोषी ने कहा कि ब्रिटेनिया के गुवाहाटी कारखाने में कार्यबल में महिलाओं का अनुपात 60 प्रतिशत है और इसे बढ़ाकर 65 प्रतिशत किया जाएगा। उन्होंने कहा` कि हमें इंजीनियरिंग के साथ-साथ पैकिंग, हाउस कीपिंग, लैब टेस्टिंग, कैंटीन और सुरक्षा जैसे आम तौर पर पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्रों में महिला कार्यबल के होने पर गर्व है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कंपनी पहले ही महिला उद्यमियों के बीच स्टार्टअप चुनौती शुरू कर चुकी है। उन्होंने कहा कि अब तक कंपनी ने ई-कॉमर्स, डिजिटल सेवाओं, मोबाइल वैन के जरिये नेत्र विज्ञान देखभाल और बाल शिक्षा जैसे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए प्रत्येक 30 महिला उद्यमियों को 10 लाख रुपए की शुरूआती पूंजी प्रदान की है। कंपनी ने देश भर में महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए गूगल के साथ भी करार किया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर यूक्रेन संकट का पड़ेगा नकारात्मक असर: आईएमएफ

वाशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले का दुनिया पर होने वाले आर्थिक असर का नकारात्मक प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। जबकि चीन पर तत्काल इसका प्रभाव अपेक्षाकृत कम होगा। आईएमएफ के संचार विभाग के निदेशक गेरी राइस ने कहा` कि युद्ध के वैश्विक आर्थिक प्रभाव का विभिन्न माध्यमों से भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। राइस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में तेजी का व्यापार पर प्रतिकूल पड़ेगा। साथ ही इसका वृहत-आर्थिक प्रभाव भी होगा। इससे मुद्रास्फीति और चालू खाते का घाटा बढ़ेगा, लेकिन चालू खाते पर प्रभाव संभावित रूप से उन वस्तुओं की कीमतों में अनुकूल बदलाव से कम हो सकता है जो भारत निर्यात करता है। इसमें गेहूं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध का अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीनी अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव से भारत की निर्यात मांग पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

इसमें गेहूं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध का अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीनी अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव से भारत की निर्यात मांग पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जबकि आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से भारत के आयात की मात्रा और कीमतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

जापानी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान 42 अरब डॉलर के निवेश की पेशकश संभव

तोक्यो ।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा शनिवार को अपनी भारत यात्रा के दौरान देश में 5,000 अरब येन (42 अरब अमेरिकी डॉलर) के निवेश की घोषणा कर सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में उक्त जानकारी देते हुए बताया गया कि यह निवेश अगले पांच वर्षों में किया जाएगा। जापान के निक्केई अखबार ने बताया कि 5,000 अरब येन का निवेश, किशिदा के पूर्ववर्ती शिंजो आबे द्वारा 2014 में घोषित 3,500 अरब येन के निवेश और वित्त पोषण के अतिरिक्त होगा। जापान इस समय भारत के शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के साथ ही जापान की शिनकानसेन बुलेट ट्रेन प्रौद्योगिकी पर आधारित एक उच्च गति रेलवे परियोजना के लिए मदद कर रहा है। प्रधानमंत्री किशिदा एक आर्थिक सम्मेलन के दौरान सार्वजनिक-निजी वित्त पोषण की घोषणा करने वाले हैं। प्रमुख व्यापारिक समाचार पत्र ने कहा कि किशिदा अपनी यात्रा के दौरान भारत में जापानी कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष निवेश बढ़ाने और क्षमता विस्तार की घोषणा भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक के दौरान किशिदा लगभग 300 अरब येन के ऋण पर सहमति जता सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच कार्बन कटौती से संबंधित ऊर्जा सहयोग दस्तावेज पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। किशिदा शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर भारत आ रहे हैं, जहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 14वें भारत-जापान शिखर बैठक में हिस्सा लेंगे। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत के आधिकारिक दौरे पर आ रहे हैं। इस शिखर बैठक में दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों के विविध आयामों की समीक्षा करने और इसे और आगे बढ़ाने के रास्तों पर विचार करने का मौका मिलेगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.65 अरब डॉलर घटा

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 मार्च को समाप्त सप्ताह में 9.646 अरब डॉलर कम होकर 622.275 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व चार मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 39.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 631.92 अरब डॉलर पहुंच गया था। इससे पूर्व तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर जा पहुंचा था। आरबीआई द्वारा जारी` किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के घटने की वजह से आई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। आंकड़ों के अनुसार 11 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफसीए 11.108 अरब डॉलर घटकर 554.359 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 1.522 अरब डॉलर बढ़कर 43.842 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.928 अरब डॉलर रह गया।

चीन में रियलमी ने लॉन्च की जीटी 2 सीरीज

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी रियलमी ने चीन में जीटी 2 सीरीज लॉन्च की, जिसमें दो फ्लैगशिप स्मार्टफोन, रियलमी जीटी 2 और जीटी 2 प्रो शामिल हैं। अब इसकी लॉन्चिंग भारत में भी करने की तैयारी चल रही है। कंपनी हाल ही में अपने ट्विटर हैंडल के जरिए भारत में इसकी लॉन्चिंग को टीज किया है। हालांकि अभी सटीक लॉन्च डेट का खुलासा नहीं हुआ है। पिछले महीने एमडब्ल्यूसी 2022 में दोनों स्मार्टफोन की वैश्विक स्तर पर घोषणा भी की गई थी। इसके अलावा, रिपोर्ट्स का दावा है कि स्मार्टफोन मार्च में भारत में डेब्यू कर सकते हैं। दोनों स्मार्टफोन्स ने पिछले साल चीन में आधिकारिक शुरुआत की थी। रिपोर्टों के अनुसार, स्मार्टफोन का भारतीय संस्करण चीनी संस्करण के समान हो सकता है। हालाँकि, रियलमी जीटी 2 की कीमत 8जीबी रैम + 128जीबी स्टोरेज के लिए ईयूआर 549 (लगभग 46,300 रुपये) और 12जीबी + 256जीबीस्टोरेज मॉडल के लिए ईयूआर 599 (लगभग 50,500 रुपये) है। रियलमी जीटी 2 प्रो में कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन के साथ 6.7-इंच क्यूएचडी + अमोलेड पैनल 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ है। स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 चिपसेट द्वारा संचालित है जिसमें 12जीबी तक एलपीडीडीआर5 रैम और 512जीबी तक यूएफएस3.1 स्टोरेज है। यह एंड्राएड 12 पर आधारित रियलमी यूआई 3.1 कस्टम स्किन पर चलता है। जहां तक कैमरा फीचर्स की बात है, तो रियलमी जीटी 2प्रो में ट्रिपल कैमरा सेटअप है जिसमें 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 50-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस और 2-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-मैक्रो लेंस है। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 32 मेगापिक्सल का फंट कैमरा है जिसके ऊपर बाईं ओर पंच-होल कटआउट है। कंपनी ने इस स्मार्टफोन को 65 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5000एमएएच की बैटरी से लैस किया है।फोन को स्टेनलेस स्टील वेपर कूलिंग प्लस और जीटी मोड 3.0 के साथ लॉन्च किया गया है। कंपनी ने 5000 एमएएच की दमदार बैटरी दी है जो 65 वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।रियलमी जीटी 2 में प्रो मॉडल जैसी ही विशेषताएं हैं, जैसे बैटरी, रियलमी यूआई 3.0 और रैम। स्मार्टफोन में 6.62 इंच का फुल एचडी प्लस 120एचझेड ई4 अमोलेड डिस्प्ले है और यह स्नैपड्रैगन 888 5जी प्रोसेसर द्वारा संचालित है जिसमें 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक की इंटरनल स्टोरेज है।

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी ने लेनदेन लागत, कर भार कम करने की मदद: पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली । उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ने व्यापारियों और विनिर्माताओं की अंतर-राज्यीय लेनदेन की लागत को कम करने में मदद की है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि जीएसटी के लागू होने के बाद उल्लेखनीय संख्या में उत्पादों को ऊंचे स्लैब से निचले स्लैब में लाया गया है। उन्होंने कहा` कि 28 प्रतिशत की उच्चतम कर स्लैब के तहत आने वाले वस्तुओं की संख्या जनवरी, 2022 में घटकर केवल तीन प्रतिशत रह गई है। जीएसटी के लागू होने के समय यह संख्या 17 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि कई वस्तुओं को पिछले पांच वर्षों के दौरान 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत या इससे कम वाले कर के स्लैब में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा` कि इस समय पेट्रोलियम उत्पादों को उत्पाद शुल्क, केंद्रीय बिक्री कर समेत मूल्य वर्धित कर (वैट) जैसे करों के प्रभाव को दूर करने के लिए जीएसटी के दायरे में लाया जाना चाहिए।

मीडिया और मनोरंजन उद्योग 2030 तक पहुंच सकता है 100 अरब डॉलर: सचिव

नई दिल्ली । देश का मीडिया और मनोरंजन उद्योग 2030 तक 100 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्र ने दुबई एक्सपो में भारतीय मंडप का उदघाटन करते हुए यह बात कही। देश का मीडिया और मनोरंजन उद्योग फिलहाल 28 अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा कि देश में उद्योग की जरूरत के अनुसार प्रतिभा और रचनात्मक कौशल है। चंद्रा ने एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सामग्री तैयार करने के लिए भारत के साथ सहयोग पर भारतीय मंडप में आयोजित एक गोलमेज चर्चा में कहा कि भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग दुनिया में तेजी से बढ़ने वाले मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग में से एक है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा दिखाई देता है। उन्होंने कहा` कि भारतीय मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग का मूल्य फिलहाल 28 अरब डॉलर है और इसके 2030 तक 12 प्रतिशत की संचयी वृद्धि के साथ 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

कोविड महामारी के बावजूद 181 नई कंपनियां आईं, 10400 नौकरियां सृजित

नई दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस दौरान आईटी पार्क में 181 नई कंपनियां खुली और 10,000 से अधिक नई नौकरियां सृजित हुई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है, ''विकास से जुड़ी गतिविधियों, आईटी पार्कों पर ध्यान और सरकार की तरफ से दी गयी विभिन्न रियायतों ने न केवल मौजूदा उद्यमियों को बरकरार रखने में मदद की, बल्कि नई कंपनियों को भी आकर्षित किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि महामारी के दौरान, 181 कंपनियों - टेक्नोपार्क में 41, कोच्चि स्थित इन्फोपार्क में 100 और कोझीकोड में साइबर पार्क में 40 -ने कामकाज शुरू किए। उन्होंने कहा कि राज्य में इन कंपनियों के आने से 10,400 नौकरियों के अवसर सृजित हुए। विजयन ने जारी कई निर्माण गतिविधियों और क्षेत्र में नई परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में पेश राज्य के बजट में आईटी क्षेत्र के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा की है। विजयन ने जारी कई निर्माण गतिविधियों और क्षेत्र में नई परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में पेश राज्य के बजट में आईटी क्षेत्र के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा की है। इसमें कन्नूर में नया आईटी पार्क, कोल्लम में पांच लाख वर्ग फुट में आईटी सुविधा केंद्र और सेटेलाइट आईटी पार्क शामिल हैं।

ई-कॉमर्स कंपनियों ने खूब खेली होली, बंपर सेल ने तोड़ा दिवाली का रिकॉर्ड

बिजनेस डेस्क।

होली के मौके पर मीशो, ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनियों की जमकर बिक्री हो रही है। कई कंपनियों की सेल तो दिवाली से भी आगे निकल गई है। सबसे खास बात यह है कि इस बिक्री में करीब 80 फीसदी डिमांड अमरावती, औरंगाबाद, अयोध्या, मुजफ्फरपुर और सिलचर जैसे टियर-2 शहरों से आ रही है। देश के कई हिस्सों में आज भी होली मनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सॉफ्टबैंक के निवेश वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो की चार से छह मार्च तक आयोजित तीन दिन की होली सेल के दौरान 1.4 करोड़ से अधिक ऑर्डर आए। यह पिछले साल की दिवाली सेल से अधिक है। दिवाली सेल को देश में सबसे बड़ा फेस्टिवल शॉपिंग सीजन माना जाता है। कंपनी को होली सेल में करीब 80 फीसदी ऑर्डर अमरावती, औरंगाबाद, अयोध्या, मुजफ्फरपुर और सिलचर जैसे टियर-2 शहरों से आए। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर ज्वेलरी, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स और एपेरल की बिक्री में भारी तेजी देखने को मिली। दिल्ली के एक मीशो सेलर ने कहा कि सबसे दिलचस्प बात यह रही कि तीनों दिन ऑर्डर फ्लो एक समान रहा। यह दिवाली सेल से बेहतर था। राजकोट के एक सेलर ने कहा कि सेल्स में पांच गुना तेजी आई। मीशो यूजर्स को 7.7 करोड़ से अधिक यूनीक प्रॉडक्ट्स तक एक्सेस देता है। पिछले साल मीशो के 71 फीसदी नए यूजर्स टियर 3 मार्केट्स से आए थे। फ्लिपकार्ट के सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म की पहली होली सेल में कुछ ऐसा ही हाल रहा। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि होली पिचकारी से लेकर ऑर्गेनिक कलर्स तक लोग अब लीक से हट रहे हैं और उनका फोकस वैल्यू पर है। होली एसेंशियल्स कैटगरी में 60 फीसदी ऑर्डर टियर 3 शहरों से आया। इसमें ज्यादातर खरीदार पूर्वी और उत्तरी जोन के थे। सबसे ज्यादा डिमांड पटना, लखनऊ, गुवाहाटी, वाराणसी, इलाहाबाद, जयपुर, रांची, कटक, भुवनेश्वर, अहमदाबाद, कानपुर, गाजियाबाद, मेदिनीपुर, बांकुरा और नागपुर से देखनें में मिली। पर रंगों की डिमांड पर पांच गुना और पिचकारी के ऑर्डर में चार गुना तेजी देखने को मिली। एपेरल्स कैटगरी में भी दो गुना तेजी दिखी। इसी तरह आटा, सूजी, घी, शुगर, सेंवई और दूसरी की मांग में भी टियर 3 शहरों से मांग में काफी तेजी दिखी। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन पर होली का रंग चढ़ा है। कंपनी ने होली की खास जरूरत के लिए होली शॉपिंग स्टोर बनाया था। इसमें हर्बल कलर्स से लेकर पिचकारी, पूजा सामग्री, वॉटरप्रूफ गैजेट्स और एक्सीसरीज उपलब्ध है। इसमें कई इलेक्ट्रॉनिक सामान पर भी छूट दी जा रही है।

कुल आवास बिक्री में किफायती मकानों का हिस्सा 2021 में घटकर 43 प्रतिशत पर

नई दिल्ली। पिछले साल कुल आवास बिक्री में 45 लाख रुपए तक की कीमत वाले किफायती मकानों का हिस्सा घटकर 43 प्रतिशत रह गया। इससे एक साल पहले 2020 में यह 48 प्रतिशत था। रियल एस्टेट के बारे में परामर्श देने वाली प्रॉपटाइगर के अनुसार, हालांकि 75 लाख रुपये से ऊपर की आवासीय इकाइयों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से बढ़कर 31 प्रतिशत पर आ गई। प्रॉपटाइगर ने 'रियल इनसाइट रेजिडेंशियल - एनुअल राउंड-अप 2021' शीर्षक से जारी एक रिपोर्ट में कहा कि आठ प्रमुख आवास बाजारों में मकानों की बिक्री वर्ष 2021 में 13 प्रतिशत बढ़कर 2,05,936 इकाई हो गई, जो इससे पिछले वर्ष में 1,82,639 इकाई थी। आंकड़ों के अनुसार, भारत के आठ प्रमुख आवास बाजारों में कुल बिक्री में 43 प्रतिशत हिस्सा 45 लाख रुपए तक के मकानों का था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 45 लाख से 75 लाख रुपए के मूल्य वर्ग के मकानों की हिस्सेदारी 2021 में 27 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 2020 में 26 प्रतिशत थी। वहीं 75 लाख रुपए से एक करोड़ रुपए तक के अपार्टमेंट की हिस्सेदारी पहले के नौ प्रतिशत से बढ़कर 11 हो गई। एक करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले मकानों की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई। आठ प्रमुख शहर हैं - अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली (गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद), एमएमआर (मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे) और पुणे। प्रॉपटाइगर के अनुसार सरकार के नीतिगत प्रॉपटाइगर के अनुसार सरकार के नीतिगत समर्थन से वर्ष 2021 में देश में किफायती घरों के लिए आकर्षण बढ़ा है।

आरबीआई ने पेटीएम पर नए ग्राहक जोड़ने पर लगाई रोक

ब्लूमबर्ग ।

देश की ऑनलाइन भुगतान कंपनी पेटीएम को एक और झटका लगा है। पिछले दिनों ही रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट बैंक पर नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगाई है। अब पेटीएम के शेयरों के टारगेट प्राइस को और घटा दिया है। पेटीएम के शेयरों के टारगेट प्राइस को घटाकर 450 रुपए कर दिया है। पेटीएम स्टॉक के टारगेट प्राइस को मैक्वायरी कैपिटल सिक्योरिटी के एनालिस्ट ने रिवाइज किया है। पिछले साल नवंबर में आईपीओ आने के बाद से पेटीएम के शेयरों में 71 फीसदी की गिरावट आई है। मैक्वायरी कैपिटल सिक्योरिटीज के एनालिस्ट सुरेश गणपति ने पहले पेटीएम के शेयरों के प्राइस टारगेट को घटाकर 700 रुपये किया था। अब मैक्वायरी के सुरेश गणपति ने पेटीएम के शेयरों का टारगेट प्राइस घटाकर 450 रुपये कर दिया है। उन्होंने दुनिया भर में फिनटेक कंपनियों के लिए लोअर वैल्यूएशंस का हवाला दिया है। उन्होंने पेटीएम के शेयरों को अंडरपरफॉर्म रेटिंग दी है। हालांकि, मैक्वायरी कैपिटल के सुरेश गणपति ने पेटीएम के लिए अपने अर्निंग या रेवेन्यू एस्टिमेट्स में कोई बदलाव नहीं किया है। पेटीएम के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में गुरुवार को 2.29 फीसदी की गिरावट के साथ 619.9 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। गणपति का कहना है कि फिनटेक रेगुलेशंस और सख्त कंप्लायंस नॉर्म्स कंपनी के लिए मुश्किल भरे हो सकते हैं। डेटा के मुताबिक, पेटीएम कवर करने वाले 9 एनालिस्ट्स का 12 महीने का एवरेज प्राइस टारगेट 1203 रुपए है। डेटा के मुताबिक, पेटीएम कवर करने वाले 9 एनालिस्ट्स का 12 महीने का एवरेज प्राइस टारगेट 1203 रुपए है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 572.25 रुपये है। वहीं, पेटीएम के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1961.05 रुपये है।

भारत में लॉन्च हुई पावरफुल इलेक्ट्रिक बाइक

नई दिल्ली । भारत में कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च कर दी है। इस शानदार इलेक्ट्रिक बाइक की कीमत 1 लाख रुपये से कम है। फेम -सब्सिडी के बाद इस बाइक का एक्स-शोरूम प्राइस 99,999 रुपये है। रोर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के लिए जुलाई 2022 में डिलिवरी शुरू हो जाएंगी। ओबेन इलेक्ट्रिक ने इस बाइक को 100केएमपीएच की टॉप स्पीड के साथ बाजार में उतारा है। वहीं अगर बात की जाए इस बाइक की रेंज की तो बाइक सिंगल चार्ज में 200केएम की रेंज ऑफर कर सकती है। बाइक में फिक्स्ड बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है यानी इसे रिमूव नहीं किया जा सकता है। बाइक के रियर वील को बेल्ट ड्राइव सिस्टम से पावर मिलती है। भारत के इलेक्ट्रिक टू वीलर मार्केट में कई नए मॉडल्स बीते कुछ वक्त में लॉन्च हुए हैं। यह सेगमेंट भारत में तेजी से उभर रहा है। इसीलिए इस सेक्टर में लेगेसी कंपनियों के साथ साथ कई स्टार्ट अप भी सामने आ रहे हैं। भारत के इलेक्ट्रिक टू वीलर मार्केट में कई नए मॉडल्स बीते कुछ वक्त में लॉन्च हुए हैं। यह सेगमेंट भारत में तेजी से उभर रहा है। इसीलिए इस सेक्टर में लेगेसी कंपनियों के साथ साथ कई स्टार्ट अप भी सामने आ रहे हैं। इलेक्ट्रिक टू वीलर्स की डिमांड भी भारत में तेजी से बढ़ रही है इसीलिए इन स्टार्ट अप्स को भी भारत में बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है।इसके अलावा बाइक में टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर मोनो शॉक दिया गया है जो बाइक के सस्पेंशन को हैंडल करता है। जो बाइक के सस्पेंशन को हैंडल करता है। जो बाइक के सस्पेंशन को हैंडल करता है। बाइक के दोनों पहियों में सिंगल डिस्क ब्रेक्स दिए गए हैं और सा कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संगकारा को आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

मुंबई । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक और मुख्य कोच कुमार संगकारा को उम्मीद है कि उनकी टीम 15 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन करेगी। पिछले तीन सत्र में रॉयल्स की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है ओर वह एक बार भी शीर्ष पांच में नहीं आई है। आईपीएल का आगामी सत्र 26 मार्च से शुरू होगा। संगकारा ने कहा कि हम उन विभाग की पहचान करने में सफल रहे जहां ध्यान देने की जरूरत थी और नीलामी में खिलाड़ियों का चयन करते हुए हमें सही प्रक्रिया का पालन किया है। इससे हम अपने अनुसार खिलाड़ियों को शामिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी ने अच्छी टीम का चयन कर शानदार काम किया है। टीम के संयोजन पर प्रतिक्रिया देते हुए संगकारा ने कहा कि स्पिनर युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन के रहने से टीम को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि चहल और अश्विन के रूप में लेग स्पिन और ऑ स्पिन के मामले में हमारे पास आईपीएल के दो सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। संगकारा ने साथ ही कहा कि हमारे पास ट्रेंट बोल्ट, प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी, नाथन कोल्टर नाइल, ओबेद मैकाय के रूप में अच्छा गेंदबाजी क्रम है ।

सेन ऑल इंग्लैंड के क्वार्टर फाइनल में, सिंधू, साइना और श्रीकांत बाहर

बर्मिंघम ।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन को सीधे गेम में हराकर ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन पीवी सिंधू और साइना नेहवाल की दूसरे दौर में हार के साथ भारत की महिला एकल में चुनौती समाप्त हो गई। इस साल जनवरी में इंडिया ओपन का खिताब जीतने वाले और पिछले सप्ताह जर्मन ओपन के उप विजेता अल्मोड़ा के 20 वर्षीय सेन ने तीसरी वरीयता प्राप्त एंटोनसेन पर 21-16, 21-18 से जीत दर्ज की। एंटोनसेन विश्व चैंपियनशिप में दो बार के पदक विजेता हैं। सेन और एंटोनसेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार आमने सामने थे। क्वार्टर फाइनल में सेन का सामना चीन के लू गुआंग जू से होगा जिन्होंने हांगकांग के आठवें वरीय एनजी का लोंग एंगस को 21-10, 21-11 से हराया। महिला एकल में हालांकि भारत को निराशा हाथ लगी। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू और साइना का खराब प्रदर्शन जारी रहा और दोनों को तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैचों में हार झेलनी पड़ी। छठी वरीयता प्राप्त सिंधू को जापान की कम रैंकिंग की खिलाड़ी सयाका तकाहाशी से 19-21, 21-16, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटे छह मिनट तक चला। इससे पहले साइना भी तीन गेम तक चले रोमांचक मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची से हार गई। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना को 50 मिनट तक चले मैच में यामागुची से 14-21 21-17 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। साइना पिछले सप्ताह जर्मन ओपन में थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन से सीधे गेम में हार गई थी।

पुरुष एकल में किदाम्बी श्रीकांत इंडोनेशिया के पांचवी वरीयता प्राप्त एंथनी सिनिसुका गिटिंग के खिलाफ शुरुआती बढ़त का फायदा नहीं उठा पाये तथा एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 21-9, 18-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गए। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय युगल जोड़ी ने हालांकि अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने जर्मनी के मार्क लम्सफस और मार्विन सिडेल को केवल 27 मिनट में 21-7, 21-7 से करारी शिकस्त दी। उनका अगला मुकाबला अब मार्कस फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजय सुखामुलजो की शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा। पुरुष एकल में सेन ने अपनी तकनीकी दक्षता का शानदार नमूना पेश किया तथा एंटोनसेन को नेट से दूर रखा। उन्होंने पहले गेम में ब्रेक तक 11-9 से बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद भी उन्होंने अपनी बढ़त बरकरार रखी ।

एफआईएच महिला विश्व कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला इंग्लैंड से

भुवनेश्वर ।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप में भारतीय टीम को पूल बी में रखा गया है। भारतीय टीम इसमें अपना पहला मैच तीन जुलाई को इंग्लैंड से खेलेगी। वहीं भारतीय टीम पांच जुलाई को चीन से और सात जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलेगी। भारत एक से 17 जुलाई तक होने वाली इस प्रतियोगिता में पूल चरण के अपने मैच नीदरलैंड के एम्सटेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम की हॉफबैक सुशीला चानू ने कहा कि उनकी टीम किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि किस टीम से हमें खेलना है क्योंकि हमारी सोच और मानसिकता प्रत्येक मैच को अगले मैच की तरह लेने की है। हम प्रत्येक मैच को जीतने की कोशिश करेंगे। चानू ने कहा कि हमने हाल में ओमान के मस्कट में एशिया कप और फिर एफआईएच प्रो लीग में चीन का मुकाबला किया था। इससे हमें फायदा मिलेगा। हम अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ हॉकी प्रो लीग के मैच खेलेंगे। हम न्यूजीलैंड से आखिरी बार 2020 में खेले थे ।

इसलिए हम इन टीम को अच्छी तरह से जानते हैं। हमें पता है कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिये किस तरह से तैयारी करनी है। वहीं भारतीय फॉरवर्ड नवनीत कौर ने कहा कि टीम ने पिछले दो वर्षों में काफी आत्मविश्वास हासिल किया है ।

वनडे मैचों का दोहरा शतक बनाने भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बनी झूलन गोस्वामी

ईडन पार्क । भारत की महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप-2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में उतरते ही इतिहास रच दिया। वह वनडे मैचों का दोहरा शतक बनाने वाली दुनिया और भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। उनसे पहल मुकाम तक भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर हैं। झूलन पिछले मैच में वनडे में 250 विकेट पूरा करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। मैच में टॉस के साथ ही उन्होंने मैचों का दोहरा शतक पूरा किया। उनकी साथ मिताली राज के नाम फिलहाल 234 मैच दर्ज हैं, और वह सबसे अधिक मैच खेलने वाली क्रिकेटर हैं। इस तरह सबसे अधिक मैच खेलने वाले दो महिला क्रिकेटर भारत की हैं। 191 मैचों के साथ तीसरे नंबर पर इंग्लैंड की चर्लोट एडवर्ड्स हैं, जबकि द.अफ्रीका की मिगनन डू प्रीज हैं। प्रीज ने 150 वनडे खेल चुकी हैं। 5वें नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की ब्लैवेल हैं। उन्होंने 144 मैच खेले हैं, उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट पर 277 रन बनाए। मिताली राज (68), हरमनप्रीत कौर (57*) और यस्तिका भाटिया (59) ने हाफ सेंचुरी जड़ी, जिसके दम पर भारत शुरुआती झटकों के बावजूद सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सका।

आईपीएल 2013 में आक्रामक अंदाज की वजह से भिड़ गए थे विराट और गंभीर

नई दिल्ली ।

क्रिकेट का रोमांच कहे जाने वाली आईपीएल स्पर्धा को केकेआर के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर और विराट कोहली को उनके आक्रामक अंदाज के लिए जाना जाता है। चाहे बात बल्लेबाजी की हो या कप्तानी की यह दोनों ही खिलाड़ी काफी जोश में दिखाई देते हैं। आईपीएल 2013 में इसी आक्रामक अंदाज की वजह से ये दोनों खिलाड़ी मैदान पर ही भिड़ गए थे। इन दोनों की इस भिड़ंत ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। अब गौतम गंभी ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की है। गंभीर का कहना है कि कप्तान होने के नाते कई बार आपको ना चाहते हुए भी ऐसा करना पड़ता है। जतिन सप्रू के यूट्यूब शो 'ओवर एंड आउट' पर गंभीर ने कहा यह ठीक है, मैं इसके साथ बिल्कुल ठीक हूं और मुझे उम्मीद थी कि वह (कोहली) ऐसा ही होगा। मैं ऐसा हूं। मुझे वह प्रतियोगिता पसंद है, मुझे प्रतिस्पर्धी लोग पसंद हैं। एमएस धोनी अपने तरीके से एक प्रतियोगी हैं, विराट अपने तरीके से। कभी-कभी जब आप एक टीम की कप्तानी कर रहे होते हैं, तो आपको ऐसा करना पड़ता है, भले ही आप ऐसा न करना चाहें क्योंकि आप चाहते हैं कि आपकी टीम आपकी इच्छानुसार खेले। एक लीडर के रूप में, कभी-कभी आप इसके बारे में नहीं सोच रहे होते हैं दूसरे व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत संबंध है, सिर्फ इसलिए कि आप एक टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, आपको यह करना पड़ता है। आरसीबी और केकेआर के बीच हुए इस मुकाबले में जब बालाजी ने कोहली को आउट किया था तो यह दोनों खिलाड़ी मैदान पर ही भिड़ गए थे।

गंभीर और विराट कोहली के बीच में खिलाड़ी और अंपायर तक को आना पड़ा था। उन्होंने आगे कहा इसलिए कुछ भी व्यक्तिगत नहीं था और विराट कोहली के खिलाफ कभी भी व्यक्तिगत नहीं होगा। मैं बार-बार कहता हूं कि उसने जो हासिल किया है, मैं बिल्कुल हैरान नहीं हूं। वह उस तरह का खिलाड़ी है जिसे हमने शुरुआत में देखा था। लेकिन फिटनेस के नजरिए से वह जिस चीज में बदल गया है और जिस तरह से उसने अपने कौशल पर काम किया है वह जबरदस्त है। गंभीर अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार खिताब जीता चुके हैं, वहीं कोहली आरसीबी को खिताब जीतने में नाकाम रहे। कोहली ने 2021 सीजन के बाद बैंगलोर की कप्तानी छोड़ दी है और अब फाफ डुप्लेसिस को नया कप्तान नियुक्त किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रेथवेट और ब्लैकवुड का शतक, वेस्टइंडीज ने की मैच में वापसी

ब्रिजटाउन । कप्तान क्रेग ब्रेथवेट और जर्मेन ब्लैकवुड की शतकीय पारियों से वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में तीसरे दिन के खेल के बाद 288 रन बनाकर इंग्लैंड की पहली पारी के बड़े स्कोर का माकूल जवाब दिया। सपाट पिच पर टेस्ट में तीन दिन के खेल बाद सिर्फ 13 विकेट गिरे हैं और यह मैच भी श्रृंखला के पहले मुकाबले की तरह ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है। ब्रेथवेट और ब्लैकवुड ने चौथे विकेट के लिए धैर्य से खेलकर 183 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों को लगभग 68 ओवर तक सफलता से दूर रखा। इंग्लैंड ने पहली पारी नौ विकेट पर 507 रन पर घोषित की थी। वेस्टइंडीज की टीम अभी 219 रन से पिछड़ हुई हैं, उसके 6 विकेट शेष है। स्टंप्स के समय ब्रेथवेट 109 (337 गेंद में 12 चौके) और रात्रि प्रहरी अल्जारी जोसेफ 4 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। ब्लैकवुड ने 215 गेंद की पारी में 11 चौके जड़े। वेस्टइंडीज की टीम ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 71 रन से आगे से खेलना शुरु किया, लेकिन जैक लीच ने शामराह ब्रुक्स (39) को क्रिस वोक्स के हाथों कैच करा कर दिन की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्टोक्स ने पिछले मैच के शतकवीर नक्रुमाह बोनर (9) को पगबाधा कर वेस्टइंडीज को तीसरा झटका दिया। इस समय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 101 रन था। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने आक्रामक गेंदबाजी करना जारी रखा लेकिन ब्लैकवुड और ब्रेथवेट की सधी बल्लेबाजी के सामने उन्हें ज्यादा मौका नहीं मिला। कामचलाऊ गेंदबाज डेन लॉरेंस ने दिन के आखिरी सत्र में ब्लैकवुड को पगबाधा कर मैच में इंग्लैंड की वापसी कराई।

मारियो बालोटेली को इटली की टीम में जगह नहीं मिली

रोम । मारियो बालोटेली को फुटबॉल विश्व कप प्लेऑफ के लिए इटली की टीम में जगह नहीं मिली और यूरोपीय चैम्पियन को मिडफील्डर मैनुएल लोकाटेली की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी क्योंकि उन्हें कोरोना संक्रमित पाया गया था। इटली का सामना गुरूवार को सिसली के पोलेरमो में नार्थ मेसेडोनिया से होगा। अगर टीम मैच में जीत दर्ज करती हैं, तब इस साल कतर में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के लिए उसका सामना पुर्तगाल और तुर्की के बीच मुकाबले के विजेता से होगा। इटली 2018 विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। अगर इस बार भी ऐसा हुआ,तब चार बार की चैम्पियन के लिए यह काफी खराब स्थिति होगी। बालोटेली जनवरी में इटली के तीन दिवसीय ट्रेनिंग शिविर में थे। इटली फुटबॉल महासंघ ने कहा कि लोकाटेली पृथकवास के बाद टीम से जुड़ने वाले हैं। इसका मतलब है कि वह प्लेऑफ के दूसरे मैच तक उपलब्ध नहीं होने वाले हैं। वह प्लेऑफ के दूसरे मैच तक उपलब्ध नहीं होने वाले हैं। वह प्लेऑफ के दूसरे मैच तक उपलब्ध नहीं होने वाले हैं। फारवर्ड फेडरिको चिएसा भी घुटने की सर्जरी के बाद जनवरी से टीम से बाहर हैं। वहीं सेंटर बैक जार्जियो चिलीनी और लियोनार्डो बोनुसी की वापसी हुई है।

मिताली, यास्तिका और हरमनप्रीत के बल्ले ने दिखाया दम, ऑकलैंड में तीनों ने जड़ा अर्धशतक

ईडन पार्क।

भारतीय महिला टीम ने विश्वकप स्पर्धा में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध नियत 50 ओवर में 7 विकेट पर 277 रन बनाए। ऑकलैंड के ईडन पार्क में भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज और यास्तिका भाटिया के बाद 5वें नंबर पर बल्लेबाजी को उतरीं हरमनप्रीत कौर ने दमदार खेल दिखाया और तीनों ने अर्धशतक जड़े। मिताली ने 68, यास्तिका ने 59 और हरमनप्रीत कौर ने नाबाद 57 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीता और भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे शुरुआती झटका स्मृति मंधाना (10) के रूप में 11 रन के टीम स्कोर पर ही लग गया। ओपनर शेफाली वर्मा भी कुछ खास नहीं कर सकीं और 12 रन बनाकर डार्सी ब्राउन का शिकार हो गईं। इससे टीम का स्कोर 6 ओवर में 2 विकेट पर 28 रन हो गया। फिर यास्तिका भाटिया और कप्तान मिताली राज क्रीज पर जम गईं और तीसरे विकेट के लिए 130 रन की शानदार साझेदारी की। यास्तिका ने अपने करियर का दूसरा अर्धशतक जड़ा। वह 158 रन के टीम स्कोर पर डार्सी ब्राउन की गेंद पर एलिस पेरी को कैच थमा बैठीं। यास्तिका ने 83 गेंद खेलीं और 6 चौकों की मदद से 59 रन बनाए। कप्तान मिताली को अलाना किंग ने पेरी के हाथों कैच कराया। भारतीय कप्तान ने अपने करियर का 63वां वनडे शतक जमाया। वह 68 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। उन्होंने 96 गेंदों की अपनी पारी में 4 चौके और 1 छक्का जड़ा। इसके बाद ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर ने दमदार अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 42 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 15वां अर्धशतक जड़ा। वह 47 गेंदों पर 57 रन बनाकर नाबाद लौटीं। पारी की अंतिम गेंद पर पूजा वस्त्राकर रन आउट हुईं, जिन्होंने 28 गेंदों पर 1 चौके और 2 छक्कों की बदौलत 34 रन बनाए। पूजा और हरमनप्रीत ने 7वें विकेट के लिए 64 रन जोड़े जिससे टीम इंडिया 275 के ऑस्ट्रेलिया के लिए पेसर डार्सी ब्राउन ने 8 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट झटके जबकि अलाना किंग को 10 ओवर में 52 रन देने के बाद 2 विकेट मिले। जेस जोनासन ने भी 1 विकेट लिया।

एशिया कप 2022 की तारीखें घोषित, श्रीलंका में होना है टूर्नामेंट, भारत है डिफेंडिंग चैम्पियन

खेल डैस्क । एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एशिया कप 2022 की तारीखों की घोषणा कर दी है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का 15वां संस्करण 27 अगस्त से 11 सितंबर तक श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। एसीसी ने अपने ट्विटर हैंडल पर तारीखों की घोषणा करते हुए कहा कि एशिया कप 2022 (टी-20 प्रारूप) इस साल के अंत में 27 अगस्त से 11 सितंबर तक होगा। इसके क्वालीफायर 20 अगस्त 2022 से खेले जाएंगे। यह टी-20 फार्मेट में खेला जाएगा। एशिया कप पहले सितंबर 2020 में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। फिर इसे जून 2021 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था लेकिन वहां से फिर इसकी तारीखें बदल गई थीं। इसके अलावा, एसीसी की वार्षिक आम बैठक में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि बीसीसीआई सचिव जय शाह 2024 तक एसीसी के अध्यक्ष रहेंगे। इस दौरान कतर को पूर्ण सदस्य का दर्जा भी दिया गया। एशिया कम को वनडे और टी-20 फार्मेट में करवाया जाता रहा है। पहली बार इसका आयोजन 1984 में हुआ था जब श्रीलंका को हरा भारत चैम्पियन बना था। भारत अब तक सात बार एशिया कप जीत चुका है। टीम इंडिया ने 1984 के बाद 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016 (टी-20 फार्मेट) 2018 में यह कप जीता था। श्रीलंकाई टीम चार बार 1986, 1997, 2004, 2008, 2014 में यह खिताब जीत चुका है जबकि पाकिस्तान 2000, 2012 में दो बार। श्रीलंका में होने वाले एशिया कप के लिए 6 टीमें आमने-सामने होंगी। होस्ट श्रीलंका के अलावा अफगानिस्तान, बांगलादेश, इंडिया, पाकिस्तान की टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। एक टीम क्वालिफाइंग राऊंड खेलकर आएगी।

संगकारा को आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

मुंबई । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक और मुख्य कोच कुमार संगकारा को उम्मीद है कि उनकी टीम 15 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन करेगी। पिछले तीन सत्र में रॉयल्स की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है ओर वह एक बार भी शीर्ष पांच में नहीं आई है। आईपीएल का आगामी सत्र 26 मार्च से शुरू होगा। संगकारा ने कहा कि हम उन विभाग की पहचान करने में सफल रहे जहां ध्यान देने की जरूरत थी और नीलामी में खिलाड़ियों का चयन करते हुए हमें सही प्रक्रिया का पालन किया है। इससे हम अपने अनुसार खिलाड़ियों को शामिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी ने अच्छी टीम का चयन कर शानदार काम किया है। टीम के संयोजन पर प्रतिक्रिया देते हुए संगकारा ने कहा कि स्पिनर युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन के रहने से टीम को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि चहल और अश्विन के रूप में लेग स्पिन और ऑ स्पिन के मामले में हमारे पास आईपीएल के दो सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं।

एएफसी एशिया कप में कंबोडिया , अफगानिस्तान और हांगकांग से खेलेगा भारत

नई दिल्ली ।

एएफसी एशिया कप चीन 2023 के अंतिम दौर के क्वालिफायर मुकाबलों के लिए भारत को ग्रुप डी में हांगकांग, अफगानिस्तान और कंबोडिया के साथ रखा गया है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के जारी कार्यक्रम के अनुसार इस टूर्नामेंट का यह आखिरी चरण आठ जून को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में शुरू होगा और जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम कंबोडिया से खेलेगी, जबकि उसके अगले दो मैच 11 जून को अफगानिस्तान और 14 जून को हांगकांग से होंगे। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 24 टीमों को छह समूहों में बांटा गया है। किया गया है, जिसमें छह ग्रुप विजेता टीमें और दूसरे स्थान पर रहने वाली पांच सर्वश्रेष्ठ टीमें चीन में होने वाले एएफसी एशिया कप 2023 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप कतर 2022 और एएफसी एशियाई कप चीन 2023 के संयुक्त क्वालीफायर के दूसरे दौर में ग्रुप ई में तीसरे स्थान पर रहने के बाद एएफसी एशिया कप क्वालीफायर के तीसरे और अंतिम दौर में जगह बनाई थी। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, 'कार्यक्रम हमेशा अच्छा या बुरा हो सकता है, लेकिन हमें अपना काम करने की जरूरत है।

हमारी योजना मई के पहले हफ्ते से कोलकाता में अपना तैयारी शिविर शुरू करने की है, लेकिन मुंबई सिटी एफसी के खिलाड़ी एएफसी चैंपियंस लीग में क्लब की प्रतिबद्धताओं के कारण 29 मई से पहले उपलब्ध नहीं होंगे।

कोच ने महिला खिलाड़ी का यौन शोषण कर गर्भवती किया

अकोला । महाराष्ट्र के अकोला में एक बड़ा ही हैरान कर देने वाला मामला आया है। जानकारी के मुताबिक, कोच ने महिला कबड्डी खिलाड़ी को पहले झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण कर महिला खिलाड़ी को गर्भवती किया। मामले में कोर्ट ने कोच को दोषी ठहराया था, क्योंकि आरोपी के खिलाफ कई ठोस सबूत मिले थे। आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपी कोच का नाम शुद्धोधन सहदेव अंभोरे हैं, उस पर महिला खिलाड़ी के साथ यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा है। कोच ने महिला खिलाड़ी को राज्य और राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाने का झांसा दिया था। मामला 30 जुलाई 2018 का है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया है कि, आरोपी कोच ने उसके साथ शारिरिक संबंध बनाने के लिए धमकी देता था। महिला को टीम से निकालने की धमकी देता था, इस कारण मजबूरन महिला खिलाड़ी को कोच की बात माननी पड़ी। इस बीच महिला गर्भवती भी हो गई। सरकारी अस्पताल में महिला ने छोटी बच्ची को जन्म तक दिया, लेकिन अस्पतालकर्मियों को शक हुआ कि ये महिला खिलाड़ी अविवाहित मां बनी है। अस्पताल ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी और महिला खिलाड़ी से पूछताछ कर सारी बात का खुलासा किया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी गई। उधर आरोपी कोच ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को गलत बताया है। कोच ने कहा कि, यह बच्ची उसकी नहीं है। पुलिस ने आरोपी का डीएनए टेस्ट कराया,इससे साफ हो गया कि बच्ची का पिता आरोपी कोच ही है। एक दूसरी खिलाड़ी से भी छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को कोर्ट द्वारा कोच को दोषी माना गया है। वहीं एक अन्य महिला कबड्डी खिलाड़ी के साथ छेड़छाड़ मामले में भी आरोपी कोच शुद्धोधन अंभोरे को धारा 354 के तहत 5 साल और धारा 506 के तहत 2 साल कारावास की सजा सुनाई गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

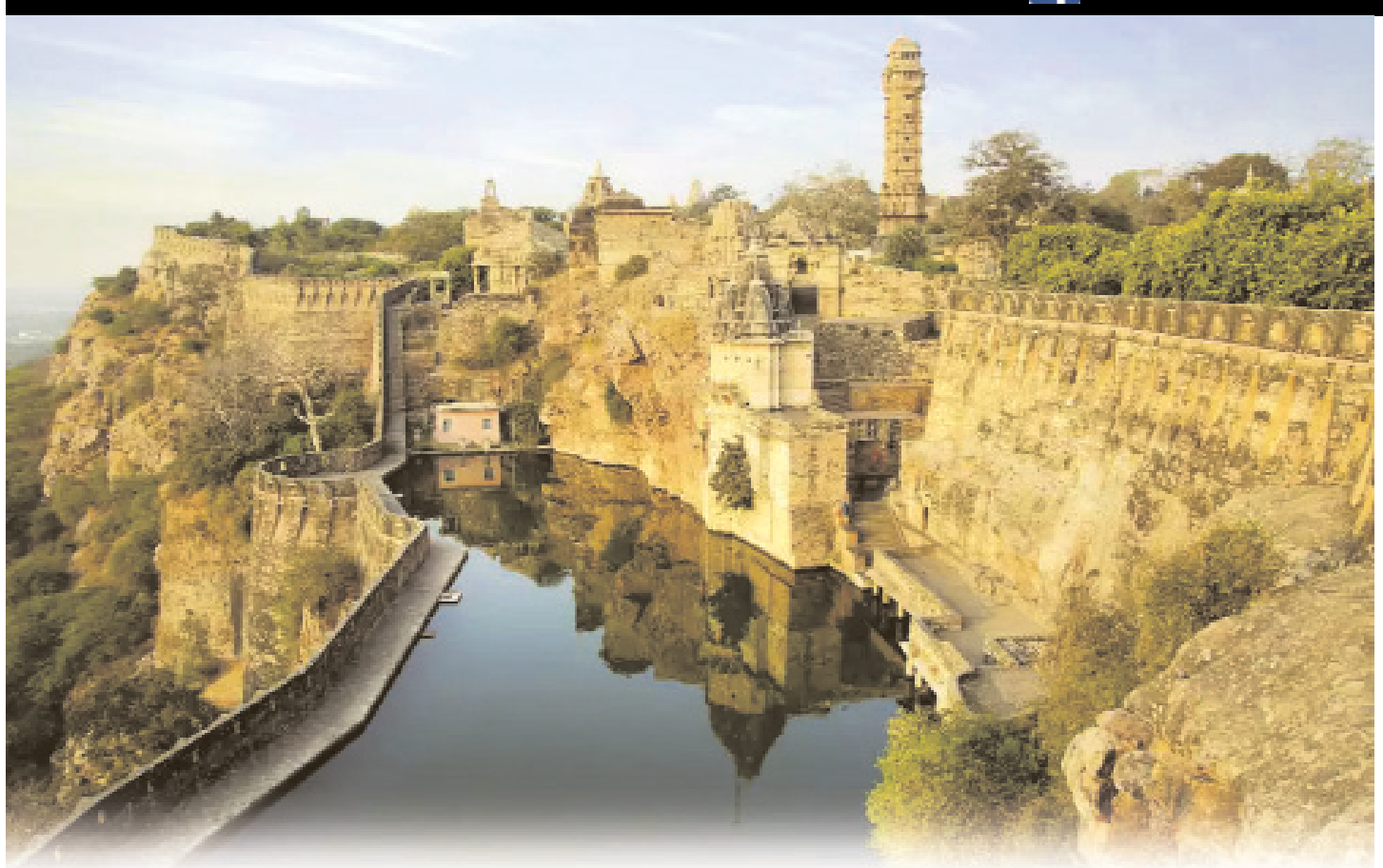

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चित्तौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

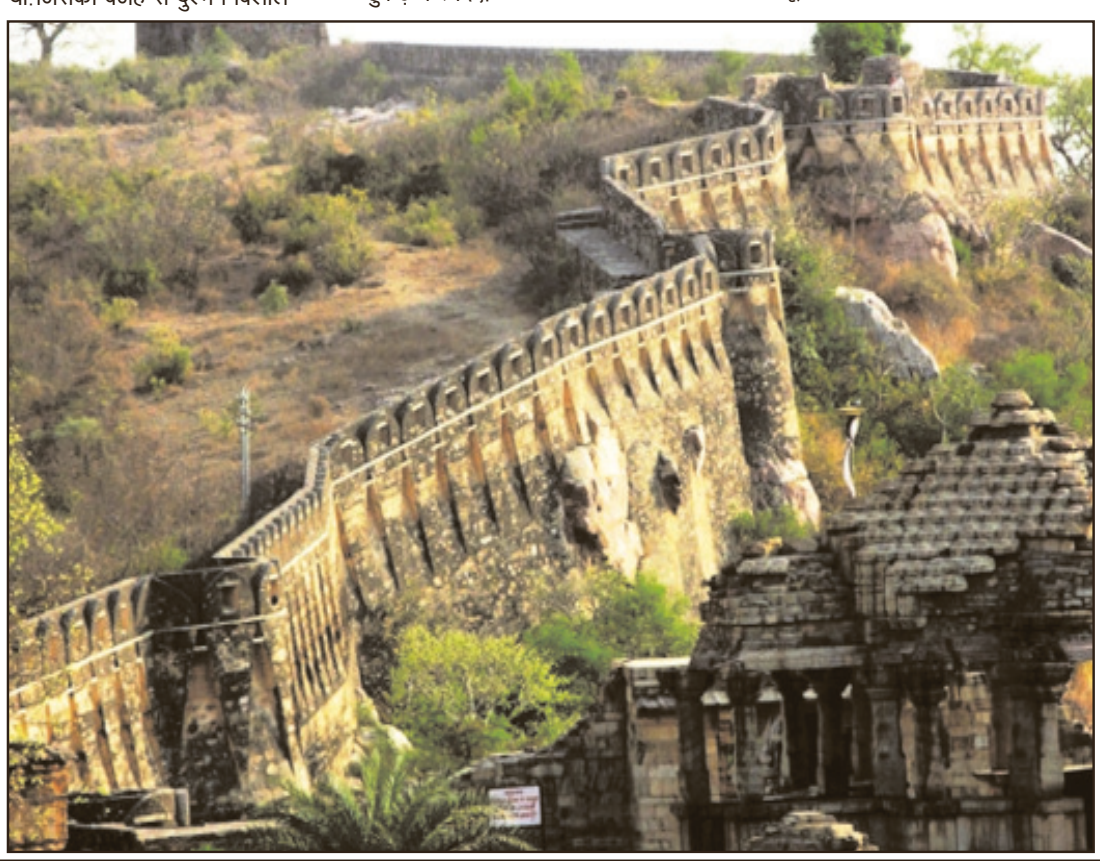

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया। पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे ८ प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नार्वे में अमेरिकी सेना विमान क्रैश, 4 सैनिकों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क।

नार्वे में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के युद्ध अभ्यास के दौरान एक विमान दुर्घटना में चार अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गयी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इस अभ्यास का यूक्रेन युद्ध से लेना-देना नहीं है। जोनास स्टोर ने ट्वीट कर कहा कि शुक्रवार की रात हुई इस दुर्घटना में अमेरिका के चार सैनिकों की मौत हो गयी। उन्होंने ट्वीट किया, अमेरिका के यह सैनिक नाटो के एक संयुक्त युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे थे। हम मारे गए सैनिकों के परिवारों और साथियों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। नार्वे की सेना के मुताबिक दुर्घटना का शिकार हुआ विमान अमेरिकी नौसेना का वी-22बी ऑस्प्रे विमान था। नार्वे की सेना की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक विमान में चालक दल के कुल चार लोग सवार थे और यह उत्तर नार्वे के नार्डलैंड काउंटी में एक प्रशिक्षण अभियान में हिस्सा ले रहा था। नॉर्वे ने कहा कि यह विमान 'कोल्ड रिस्पांस सैन्य अभ्यास में भाग ले रहा था। इस अभ्यास के तहत नाटो के सदस्य देशों के सैनिक भीषण ठंड के बीच नॉर्वे की सेना के साथ ''प्रशिक्षण और संचालन कर रहे थे। नॉर्वे के मुताबिक इस अभ्यास का यूक्रेन युद्ध से कोई संबंध नहीं है और इसकी योजना काफी पहले बना ली गयी थी। विमान बोडो के उत्तर में अपने रास्ते पर था, जहां इसे शुक्रवार शाम छह बजे शाम से पहले उतरना था। लेकिन विमान बोडो के दक्षिण में बेयर्न में ग्रेटाडालेन में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने कहा कि तत्काल खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। लेकिन विमान बोडो के दक्षिण में बेयर्न में ग्रेटाडालेन में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने कहा कि तत्काल खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। शनिवार तड़के डेढ़ बजे बजे पुलिस मौके पर पहुंची और सैन्य विमान के सभी चार चालक दल की मौत की पुष्टि की। इस साल के अभ्यास में 27 देशों के लगभग 30,000 सैनिक, 220 विमान और 50 जहाज शामिल हैं। गैर-नाटो सदस्य फिनलैंड और स्वीडन भी भाग ले रहे हैं। गैर-नाटो सदस्य फिनलैंड और स्वीडन भी भाग ले रहे हैं। अभ्यास 14 मार्च को शुरू हुआ और एक अप्रैल को समाप्त होगा। दुर्घटना का कोई कारण नहीं बताया गया था, लेकिन नॉर्वे की सेना ने कहा कि अभ्यास 'कोल्ड रिस्पांस योजना के अनुसार जारी रहेगा।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के गृहमंत्री बोले- बम-गोलों और बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने में लगेंगे वर्षों

कीव ।

रूस की मिसाइलों और बमों के धमाकों के जूझ रहे युद्धग्रस्त देश यूक्रे न के गृह मंत्री डेनिस मोनास्तिरिस्की ने कहा कि रूसी बलों द्वारा देश में बरसाये गए उन बम-गोले और बरूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने में सालों लगेंगे, जो फट नहीं पाए हैं। घिर चुके कीव में मीडिया से बातचीत में मोनास्तिरिस्की ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद इस भारी-भरकम काम को अंजाम देने के लिए यूक्रेन को पश्चिमी देशों की मदद की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा, यूक्रेन पर बड़ी संख्या में बम-गोले बरसाए गए हैं। इनमें से कई में विस्फोट नहीं हो सका था। मलबे के नीचे दबे ऐसे हथियार एक वास्तविक खतरा हैं। इन्हें निष्क्रिय करने में महीनों नहीं, वर्षों लगेंगे। मोनास्तिरिस्की के मुताबिक बिना फटे रूसी विस्फोटकों के अलावा ऐसी बारूदी सुरंगें भी खतरे का सबब हैं, जिन्हें यूक्रेनी बलों ने पुलों, हवाईअड्डों और अन्य अहम बुनियादी ढांचों को रूसी नियंत्रण से बचाने के लिए बिछाया है। उन्होंने कहा, हम अकेले दम पर उस पूरे क्षेत्र में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाने में सक्षम नहीं होंगे, इसलिए मैंने अमेरिका और यूरोपीय संघ के अपने सहयोगियों व अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से युद्ध प्रभावित इलाकों में ऐसे विस्फोटकों को निष्क्रिय करने के लिए विशेषज्ञों का समूह तैयार करने की अपील की है। मोनास्तिरिस्की के अनुसार रूसी बलों द्वारा लगातार जारी हमलों से लगी आग से निपटना भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने बताया कि रूसी गोलीबारी और उससे लगी आग पर काबू पाने के लिए कर्मचारियों और संसाधनों की भारी कमी है। रूसी बलों ने यूक्रेन के पश्चिमी शहर लवीव के बाहरी इलाकों में स्थित उन गलियारों को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल नागरिक युद्धग्रस्त शहर से बाहर निकलने और एजेंसियां वहां मदद यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के बंदरगाह शहर थिएटर में लोगों को बचाने का कार्य शुक्रवार को भी जारी रहा।

चीन में एक वर्ष से अधिक समय बाद कोविड-19 से दो लोगों की मौत

बीजिंग ।

चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को देश में कोरोना वायरस संक्रमण से दो लोगों की मौत की पुष्टि की, जो जनवरी 2021 के बाद से मृतक संख्या में दर्ज पहली बढ़ोतरी है। देश में कोरोना वायरस के बेहद संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के मामलों में जबरदस्त इजाफा हुआ है। संक्रमण से दोनों मौत उत्तर पूर्वी जिलिन प्रांत में हुईं, जिसके बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 4,638 हो गयी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के एक अधिकारी जिओ याहुई ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया जिन दो लोगों की मौत हुई है वे बुजुर्ग रोगी थे और वे अन्य बीमारियों से भी ग्रसित थे। उन्होंने बताया कि इनमें से एक को कोविड-19 का टीका नहीं लगाया गया था। चीन में शनिवार को संक्रमण के 2,157 नए मामले सामने आए, जो संक्रमण के सामुदायिक प्रसार से जुड़े हैं। इनमें से अधिकतर मामले जिलिन प्रांत से सामने आए। संक्रमण के प्रसार को राकने के लिए जिलिन प्रांत में यात्रा प्रतिबंध लगाए गए हैं और लोगों को यात्रा के लिए पुलिस की अनुमति लेना अनिवार्य बनाया गया है। समूचे चीन में मार्च की शुरुआत से संक्रमण के 29,000 से अधिक मामलों की पुष्टि हुई है। चीन के वुहान में 2019 में महामारी के प्रकोप की शुरुआत के बाद से एक सफल ''शून्य-कोविड'' रणनीति के तहत लॉकडाउन लगाए गए और लाखों लोगों की सामूहिक जांच की गई। अब तक 4,636 लोगों की मौत हुई है। रणनीति को हर किसी का समर्थन मिला है और अन्य देशों में की तुलना में संक्रमण से बड़ी संख्या में मौत के मामलों को रोका गया है।

गे साथी एचआईवी पॉजिटिव निकला तो प्रेमी ने क्रोध में बेल्ट से गला घोंटकर कर दी हत्या

वॉशिंगटन ।

समलैंगिक संबंधों को मान्यता वाले देश अमेरिका में एक युवक ने अपने ही गे साथी की गला घोंटकर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक, आरोपी 23 वर्षीय जुआन तेजदोर बैरन और मृतक 73 साल के बुजुर्ग गैरी रूबी के बीच प्रेम संबंध थे। लेकिन जब बैरन को पता चला कि गैरी एचआईवी पॉजिटिव है, तो उसने उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। कैलिफोर्निया पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बैरन ने रूबी की लाश को कंक्रीट आदि से बाथटब में दबा दिया था। खबर के अनुसार, बैरन ने रूबी की हत्या की बात कबूल कर ली, जिसके बाद पुलिस ने पिछले बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ ही गैरी रूबी की लाश को उनके 16 करोड़ के आलीशान बंगले से बरामद भी कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, बैरन ने कुबूल किया कि फरवरी में संबंध बनाने के बाद उसे पता चला कि गैरी एचआईवी पॉजिटिव है। जिसके बाद उसने गुस्से में बेल्ट से गला घोंटकर गैरी की हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हत्या के बाद बैरन ने देश से भागने का प्रयास किया था लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी वारंट के मुताबिक, डिनर के वक्त, खाना खाते समय रूबी का थोड़ा दम घुटने लगा।तभी बैरन ने बेल्ट से तब तक रूबी तभी बैरन ने बेल्ट से तब तक रूबी का गला कसा जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया। इसके बाद बैरन ने गैरी को बाथटब में घसीटा और चाकू से उसकी कलाई की नस काट दी। बैरन ने पुलिस को बताया कि वह हत्या को सुसाइड का एंगल देना चाहता था। कॉफी ग्राउंड्स डालकर दबाने की कोशिश की। इतना ही नहीं, हत्या करने के बाद बैरन ने गैरी की महंगी कार और करोड़ों के घर को अपना बताने की कोशिश की।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, एप्पल के सीईओ टिम कुक ने होली की बधाई दी

वाशिंगटन । अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने रंगों के त्योहार होली के मौके पर लोगों को बधाई दी। हैरिस ने शुक्रवार को ट्विटर पर होली की बधाई दी। अमेरिका की पहली अश्वेत महिला उपराष्ट्रपति ने लिखा, ''आज खुशी, सकारात्मकता और विविध रंगों के माध्यम से साथ मिलकर जश्न मनाने का दिन है। दक्षिण एशियाई समुदाय और होली का जश्न मनाने वालों को शुभकामनाएं।'' एप्पल के सीईओ कुक ने भी इस मौके पर बधाई दी। उन्होंने कहा, ''होली मनाने वाले सभी लोगों को विविधता से भरे वसंत की शुरुआत पर शुभकामनाएं। इन खूबसूरत रंगों के साथ खुशियां फैलाएं।'' उन्होंने रंग के त्योहार की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। सीनेट के बहुमत के नेता चक शूमर, सांसद स्टेनी होयर, प्रतिनिधि सभा में बहुमत के नेता सांसद ग्रेगरी मीक्स, प्रतिनिधि सभा में विदेश मामलों की समिति की अध्यक्ष और सांसद जूडी चू सहित शीर्ष अमेरिकी सांसदों ने शुक्रवार को दुनिया भर में भारतीय-अमेरिकियों और हिंदुओं को होली की बधाई दी। रंगों के त्योहार के अवसर पर उन्होंने कहा कि होली प्यार का और बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न है। होली भारत और कुछ दक्षिण एशियाई क्षेत्रों में शुक्रवार को बड़े उत्साह के साथ मनाई गई, जिसमें लोग सड़कों पर उमड़ पड़े, एक-दूसरे को 'गुलाल' लगाया और एक-दूसरे को बधाई दी।

शी की बाइडेन को दो टूक, यूक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे हम देखना चाहते

बीजिंग । चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपने अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन से कहा कि यूक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे हम देखना चाहते हैं। साथ ही, उन्होंने विश्व शांति एवं स्थिरता के लिए 'अंतरराष्ट्रीय दायित्वों' को पूरा करने को लेकर अमेरिका-चीन के संयुक्त सहयोग की अपील की। शी ने बाइडन से कहा, ''शांति एवं विकास की मौजूदा प्रवृत्ति गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विश्व नहीं ही शांत है, ना ही स्थिर है। यक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे हम देखना चाहते हैं। यूक्रन पर रूसी आक्रमण का चीन द्वारा निंदा नहीं करने को लेकर बीजिंग की अमेरिका द्वारा की जा रही आलोचना के बीच शी ने यह टिप्पणी की। उल्लेखनीय है कि चीन और रूस के बीच करीबी संबंध हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने शी के बयान को लेकर कहा, ''संघर्ष और टकराव किसी के हित में नहीं है और शांति एवं सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय समुदाय को महत्व देना चाहिए।''शी ने ताईवान सहित कई मुद्दों को लेकर उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे चीन-अमेरिका संबंधों को सही रास्ते पर लाने की भी अपील की। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य और विश्व की दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं होने के नाते, हमें चीन-अमेरिका संबंधों को अवश्य ही सही रास्ते पर आगे बढ़ाना चाहिए।''हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने यूक्रेन संकट खत्म करने की अपील की है या नहीं, क्योंकि उनकी टिप्पणी पर कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है।

पाकिस्तान ने केंद्रीय गृहमंत्री शाह के बयान को खारिज किया

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने भारत के विभाजन और करतारपुर साहिब गुरुद्वारे के स्थान को पाकिस्तान के हिस्से में देने पर भारत के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा उठाए सवाल को खारिज करते हुए इस अवांछित और अनावश्यक' टिप्पणी करार दिया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा, पाकिस्तान भारतीय गृहमंत्री शाह द्वारा हाल में की गई उस अवांछित और अनावश्यक टिप्पणी को खारिज करता है (भारत के) विभाजन और करतारपुर साहिब के पाकिस्तान में होने पर सवाल उठाया गया था। बयान में कहा गया, यह बेहद अफसोसनाक है कि इतिहास को विरूपित करना भाजपा सरकार और उसके वैचारिक प्रमुख आएसएस की पहचान बन गया है।

गृह युद्ध के बाद सीरिया के राष्ट्रपति असद पहली बार यूएई की यात्रा पर पहुंचे

दमिश्क । साल-2011 से गृहयुद्ध से जूझ रहे सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद पहली बार संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर गए हैं। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जारी किए गए बयान में कहा गया कि असद ने दुबई के उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मख्तूम से शुक्रवार को मुलाकात की। सीरिया में गृह युद्ध भड़कने के बाद उसे 22 सदस्यीय अरब लीग से निकाल दिया गया था साथ ही सीरिया के पड़ोसी मुल्कों ने भी देश से दूरी बना ली थी, ऐसे में असद की यह यात्रा इस बात के स्पष्ट संकेत देती है कि अरब जगत फिर से सीरिया के साथ मेल जोल बढ़ाने का इच्छुक है और इस लिहाज से असद की यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। गौरतलब है कि सीरिया में गृह युद्ध में लाखों लोग मारे जा चुके हैं और देश का बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो चुका है, अनुमान के मुताबिक इसके पुनर्निर्माण में अरबों डॉलर का खर्च आएगा।

अमेरिकी नौसेना का विमान नॉर्वे में अभ्यास के दौरान लापता

वाशिंगटन । नॉर्वे का प्रशासन शुक्रवार को अमेरिकी नौसेना के उस विमान की तलाश करती दिखी जो प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हो गया। नॉर्वे की सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि नौसेना का विमान 'ऑस्प्रे' शुक्रवार रात को लापता होने के कारण आर्कटिक सर्कल नगरपालिका बोडो पर नहीं उतरा। बयान के मुताबिक इसके बाद असैन्य संयुक्त बचाव समन्वय केंद्र उत्तरी नॉर्वे ने एक खोज और बचाव अभियान शुरू किया। नॉर्वे की सेना ने शुक्रवार देर रात कहा कि बोडो के दक्षिण में खोज हवाई माध्यम से की गई। यह भी कहा गया, ''मौसम की स्थिति के कारण हवाई माध्यम से मौके पर पहुंचना संभव नहीं है।'' मरीन कोर ने ट्वीट किया, ''हम मरीन कोर के एमवी-22बी ऑस्प्रे विमान से जुड़ी घटना की पुष्टि कर सकते हैं। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है। अतिरिक्त विवरण मिलने पर इसकी जानकारी दी जाएगी।'' नॉर्वे ने कहा कि चार चालक दल वाला यह विमान 'कोल्ड रिस्पांस' सैन्य अभियान में भाग ले रहा था। इस अभ्यास के तहत नाटो के सदस्य देशों के सैनिक भीषण ठंड के बीच नॉर्वे की सेना के साथ ''प्रशिक्षण और संचालन'' कर रहे थे। नॉर्वे के मुताबिक इस अभ्यास की सूचना 'यूक्रेन युद्ध' से बहुत पहले दे दी गई थी।

अमेरिका ने यूक्रेनी नागरिकों को सीमा प्रवेश की दी इजाजत, रूस को दिखाया ठेंगा

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका ने शुक्रवार को रूस को ठेंगा दिखाते हुए लगभग तीन दर्जन शरणार्थियों को प्रवेश करने से रोक दिया जबकि यूक्रेन के नागरिकों के एक समूह को सीमा पार जाने दिया । रूस और यूक्रेन के नागरिक पर्यटकों के रूप में मेक्सिको में प्रवेश करते हैं और अमेरिका जाने की उम्मीद में तिजुआना के लिए उड़ान भरते हैं। मेक्सिको के साथ सबसे व्यस्त अमेरिकी सीमा पर 34 रूसी शुक्रवार तक कई दिनों तक डेरा डाले थे, दो दिन बाद तिजुआना शहर के अधिकारियों ने विनम्रतापूर्वक उनसे वहां से चले जाने का आग्रह किया। कुछ दिन पहले तक कुछ रूसियों को सैन यसिड्रो क्रॉसिंग पर अमेरिका में प्रवेश कराया गया था, जबकि कुछ यूक्रे नियों को रोका गया था। लेकिन शुक्रवार तक रूसियों को जाने से मना कर दिया गया जबकि यूक्रेन के लोगों को कुछ समय के इंतजार के बाद वापस भेज दिया गया। रूसी महिला इरिना जोलिंका (40) ने कहा, ''यह समझना बहुत कठिन है कि वे कैसे निर्णय लेते हैं। महिला अपने परिवार के सात लोगों के साथ बृहस्पतिवार को तिजुआना पहुंचने के बाद रात भर वहीं रुकी थी। हिमायत समूह अल ओट्रो लाडो के लिए मुकदमा और नीति निदेशक के पद पर कार्यरत एरिका पिनहीरो ने कहा कि अमेरिका ने मंगलवार के आसपास एक साल के लिए मानवीय पैरोल के आधार पर यूक्रेन के सभी लोगों स्वीकार करना शुरू कर दिया, जबकि रूसी नागरिकों को स्वीकारने से इनकार कर दिया। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई थी। गृह सुरक्षा विभाग के 11 मार्च के एक ज्ञापन के अनुसार, सीमा अधिकारियों को बताया गया कि यूक्रेन के लोगों को कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए बनाई गई व्यवस्था के तहत व्यापक इसमें कहा गया कि यूक्रेन के नागरिकों के संबंध में मामला दर मामला निर्णय लिया जाएगा, हालांकि इसमें रूसियों का कोई उल्लेख नहीं है।

यूक्रेन में तबाही का जश्न मना रहा रूस ! पुतिन ने मास्को में रैली कर अपनी सेना को दी शाबाशी

इंटरनेशनल डेस्क।

यूक्रेन के शहरों पर रूसी सैनिकों की भीषण गोलाबारी के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कीव में तबाही का जश्न मनाते नजर आए हैं। पुतिन ने अपनी सेना की प्रशंसा में एक विशाल रैली का आयोजन किया। रूस के राष्ट्रपति ने शुक्रवार को खचाखच भरे मास्को स्टेडियम को संबोधित किया और कहा कि क्रेमलिन के सैनिकों ने ''कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी और एक-दूसरे का समर्थन किया। उन्होंने उत्साही भीड़ से कहा, ''इस तरह की एकता लंबे समय से नहीं दिखी थी। आक्रमण के कारण रूस के भीतर युद्ध-विरोधी विरोध प्रदर्शन हुए और रैली को लेकर संदेह था कि कहीं यह क्रे मलिन-निर्मित देशभक्ति का प्रदर्शन तो नहीं था। कार्यक्रम उस वक्त हुआ जब रूस को युद्ध के मैदान में अपेक्षा से अधिक नुकसान झेलना पड़ा। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) पर जानबूझकर ''मानवीय संकट पैदा करने का आरोप लगाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेनाएं बड़े शहरों को घेर रही हैं और इस तरह की दयनीय स्थिति पैदा करना चाहती हैं कि यूक्रेन के नागरिकों को उनका सहयोग करना पड़े। उन्होंने कहा कि रूस मध्य और दक्षिणपूर्वी यूक्रेन के शहरों तक आपूर्ति को पहुंचने से रोक रहा है। जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम अपने वीडियो संदेश में कहा, ''यह पूरी तरह से सोची-समझी चाल है। वीडियो कीव में बाहर रिकॉर्ड किया गया था, उनके पीछे राष्ट्रपति कार्यालय था। उन्होंने फिर से पुतिन से सीधे उनसे मिलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''यह मिलने का समय है, बात करने का समय। मैं चाहता हूं कि खासकर मास्को में हर कोई मेरी बात सुने। कीव में शुक्रवार को भारी गोलाबारी जारी रही और रूसी सेना ने पोलैंड की सीमा के करीब ल्वीव के बाहरी इलाके में एक विमान मरम्मत केंद्र की स्थापना की। यूक्रेन के अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात कहा कि रूसी घेरे वाले दक्षिणी बंदरगाह शहर मारियुपोल का अजोव सागर तक नियंत्रण खो चुका है और रूसी सेना अब भी शहर पर धावा बोलने की कोशिश कर रही है। यह स्पष्ट नहीं था कि उन्होंने इसे अपने कब्जे में लिया है नहीं। पुलिस ने कहा कि मास्को कार्यक्रम के लिए लुज्निकी स्टेडियम में और उसके आसपास 200,000 से अधिक लोग थे ।

जिसमें देशभक्ति के गीत जैसे ''मेड इन द यूएसएसआर गाए गए, जिसके शुरुआती बोल थे ''यूक्रेन एंड क्रीमिया, बेलारूस एंड मोल्दोवा, इट इज ऑल माई कंट्री। पुतिन की उपस्थिति ने हाल के हफ्तों के दौरान उनके अपेक्षाकृत अलग-थलग रहने के विपरीत एक बदलाव को चिह्नित किया, जब उन्हें दुनिया के नेताओं और अपने कर्मचारियों के साथ असाधारण रूप से लंबी मेजों पर या वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मिलते हुए दिखाया गया है। संघर्ष से हटकर तीन रूसी अंतरिक्ष यात्री शुक्रवार को यूक्रेनी ध्वज सूट पहने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे।

रूसी ने हाइपरसोनिक मिसाइलों से पश्चिमी यूक्रेन में किया हमला, अंडरग्राउंड शस्त्रागार डिपो तबाह

कीव । यूक्रेन और रूसी के युद्ध 23वें दिन भी जारी है। दोनों देशों के बीच चल रहे महायुद्ध पर पूरी दुनिया की नजरें हैं। सभी इस उम्मीद में है कि रूस जल्द ही यूक्रेन से अपने सैनिकों की वापसी का आदेश देगा। इस बीच शनिवार को रूस ने माना कि उसके सैनिकों ने पश्चिमी यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला किया है। इस हमले में यूक्रेन का हथियारों से भरा अंडरग्राउंड स्टेशन तबाह हो गया है। यूक्रेन ने भी दावा किया है कि रूसी हमले में अब तक 112 मामूमों की जान जा चुकी है। समाचारों में रूस के रक्षा मंत्रालय के हवाले से जानकारी दी कि उसने यूक्रेन के इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्र में हाइपरसोनिक मिसाइलों से यूक्रेन के हथियारों से भरा अंडरग्राउंड डिपो तबाह कर दिया है। इस डिपो में मिसाइलों और गोला-बारूद का जखीरा था। रूसी सैनिक इस हमले को बड़ी सफलता के रूप में देख रहे हैं। समाचार के मुताबिक, यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात कहा कि उसने अस्थायी रूप से आजोव सागर तक पहुंच खो दी है क्योंकि रूसी सेना प्रमुख बंदरगाह मारियूपोल के आसपास अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी है। यूक्रेन ने शनिवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने अब तक किए हमले में आम नागरिकों को भी निशाना बनाया है। इस हमले में अब तक यूक्रेन के 112 मासूमों की मौत हो चुकी है।

मौजूदा राजनीतिक संकट में किसी का पक्ष नहीं ले रही पाकिस्तानी सेना : शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की संसद में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने कहा है कि शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान देश में न तो मौजूदा राजनीतिक संकट में किसी का पक्ष ले रहा है और न ही प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का पक्ष ले रहा है। 'समा टीवी के शो 'नदीम मलिक लाइव में शुक्रवार रात शरीफ ने सेना के साथ अपने संबंधों, नए सेना प्रमुख की नियुक्ति, चुनावी सुधार और मौजूदा राजनीतिक हालात में सेना की भूमिका समेत कई मुद्दों पर खुलकर बात की। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष और तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ ने कहा कि विपक्षी दल उन्हें अंतरिम प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, लेकिन अंतिम फैसला पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ द्वारा किया जाएगा। पीएमएल-एन और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के लगभग 100 सांसदों ने आठ मार्च को नेशनल असेंबली सचिवालय के समक्ष एक अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नीत खान के नेतृत्व वाली सरकार देश में मौजूदा आर्थिक संकट और बढ़ती महंगाई के लिए जिम्मेदार है। अविश्वास प्रस्ताव के मद्देनजर नेशनल असेंबली का सत्र 21 मार्च को बुलाए जाने की उम्मीद है और प्रस्ताव पर मतदान 28 मार्च को होने की संभावना है। 'समा टीवी पर साक्षात्कार के दौरान शरीफ से वर्तमान परिदृश्य में सैन्य प्रतिष्ठान की भूमिका के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों को अब तक कहीं से फोन नहीं आया है। उन्होंने कहा, ''मुझे किसी ने नहीं बताया कि उन्हें (प्रतिष्ठान से) फोन आया है। शाहबाज शरीफ ने कहा कि इमरान खान कहते थे कि जब अंपायर तटस्थ हो जाता है तो सब कुछ निष्पक्ष हो जाता है, लेकिन अब उन्होंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया है जिसे ''मैं अपनी जुबान से कह नहीं सकता। वह प्रधानमंत्री के एक हालिया बयान का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि इंसान पक्ष लेते हैं और ''केवल जानवर तटस्थ होते हैं। शाहबाज ने कहा कि देश के सभी सेना प्रमुख के साथ उनके हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं क्योंकि उन्होंने रावलपिंडी (सेना मुख्यालय) और इस्लामाबाद (सरकार के कामकाज का स्थान) के बीच एक सेतु का काम किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओवैसी की मंशा, कांग्रेस-एनसीपी से हो एआईएमआईएम का गठबंधन

भाजपा की बी टीम होने से किया इनकार

मुंबई ।

असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) महाराष्ट्र सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहती है। एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज ने यह दावा किया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी भाजपा की बी टीम नहीं है। हाल ही में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को जलील ने बताया कि उनकी मां के निधन के बाद राकंपा नेता राजेश टोपे उनके घर आए थे। एआईएमआईएम नेता ने बताया, यह हमेशा आरोप लगाया जाता है कि भाजपा हमारे कारण जीत जाती है। इस आरोप को गलत साबित करने के लिए, मैंने टोपे के सामने प्रस्ताव रखा है कि हम गठबंधन के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने मेरी पेशकश के बारे में कुछ भी नहीं कहा। जलील एआईएमआईएम की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कहा कि अब हम यह देखना चाहते हैं कि ये एआईएमआईएम के खिलाफ आरोप हैं या वे हमारे साथ हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, बात यह है कि ये पार्टियां मुसलमानों के वोट चाहती हैं। एनसीपी ही क्यों, कांग्रेस ने भी यह कहा है कि वे सेक्युलर हैं और वे भी मुसलमानों के वोट चाहते हैं। हम उनके साथ भी हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं। भाजपा ने देश का पूरा बर्बाद कर दिया है। हम उन्हें हराने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। उन्होंने बताया कि एआईएमआईएम ने उत्तर प्रदेश चुनाव में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी से भी बात की थी। सांसद ने कहा कि वे मुसलमानों के वोट चाहते थे, लेकिन असदुद्दीन ओवैसी को नहीं। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में भी ये पार्टियां (कांग्रेस और एनसीपी) मुसलमानों के वोट चाहती है, लेकिन एआईएमआईएम को नहीं। आप भाजपा की जीत के लिए हमें जिम्मेदार बताते हैं। तो मैं प्रस्ताव देता हूं कि हमें साथ चुनाव लड़ने दें। एआईएमआईएम सांसद से सवाल किया गया कि क्या गठबंधन का प्रस्ताव औरंगाबाद नगर निगम चुनाव तक सीमित है या नहीं। इसपर उन्होंने कहा कि यह एनसीपी और कांग्रेस की तरफ से मिलने वाली प्रतिक्रियाओं पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, नहीं, तो हम अकेले चलेंगे। हम उन्हें मौका दे रहे हैं, क्योंकि वे हमें बी टीम कहते हैं।

वकील ने कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की जांच के लिए राष्ट्रपति कोविंद से की एसआईटी गठित करने की मांग

नई दिल्ली ।

फिल्म द कश्मीर फाइल्स इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचार को दर्शाने वाली फिल्म द कश्मीर फाइल्स के बाद इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। एक वकील और सामाजिक कार्यकर्ता ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को लिखे एक पत्र में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार से संबंधित सभी मामलों को फिर से खोलने और कश्मीर घाटी में हत्याओं की घटनाओं की फिर से जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का निर्देश देने की मांग की है। वकील और सामाजिक कार्यकर्ता विनीत जिंदल ने राष्ट्रपति को लिखे अपने पत्र में 1989-1990 में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के मामलों की जांच के लिए उन्हें फिर से खोलने और जांच के लिए एक एसआईटी के गठन की मांग की है। जिंदल ने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि एसआईटी को अब तक दर्ज मामलों की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए और पीड़ितों को एक मंच प्रदान करना चाहिए जो न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तत्कालीन प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अपने मामलों की रिपोर्ट करने में असमर्थ थे। वकील ने तर्क दिया कि यदि 33 साल पहले हुए सिख विरोधी दंगों से संबंधित मामलों को फिर से खोला जा सकता है और फिर से जांच की जा सकती है, तो 27 साल पहले हुए कश्मीरी पंडितों के मामलों को भी फिर से खोला जा सकता है और फिर से जांच की जा सकती है। जिंदल ने पत्र में कहा कि घटनाओं के शिकार लोग शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक आघात की स्थिति में थे और पिछले कई वर्षों से अपनी आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे थे और वे अपनी शिकायतों को दर्ज कराने, बयान दर्ज कराने की स्थिति में नहीं थे और इसलिए न्याय के अवसर से वंचित हैं। पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए जिंदल ने तर्क दिया कि जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है कि न्याय का दायित्व काफी हद तक पुलिस अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों के पास है, जो नरसंहार और नुकसान से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं। ऐसे कश्मीरी पंडितों को सरकार और संबंधित अधिकारियों द्वारा एक और मौका दिया जाना चाहिए।

खार्किव में मारे गए छात्र नवीन के शव को चिकित्सा अनुसंधान के लिए दान करेगा परिवार

बेंगलुरु । यूक्रेनी शहर खार्किव में मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर के माता-पिता ने अपने बेटे के शरीर को चिकित्सा अनुसंधान के लिए दान करने का फैसला किया है। नवीन के पिता शंकरप्पा ने शनिवार को जानकारी देकर कहा कि मेरा बेटा चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ हासिल करना चाहता था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। उन्होंने कहा कि नवीन के शरीर का उपयोग कम से कम अन्य मेडिकल छात्र पढ़ाई के लिए कर सकें, इसकारण उनके परिवार ने चिकित्सा अनुसंधान के लिए शरीर दान करने का फैसला किया है। इससे पहले, शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने स्पष्ट किया कि रूस-यूक्रेन में जारी रूस के बीच गोलाबारी के दौरान मारे गए नवीन का शव युद्धक्षेत्र से सोमवार को सुबह 3 बजे बेंगलुरु हवाई अड्डे पर पहुंचेगा। हालांकि पहले सरकार द्वारा शव रविवार को लाने की घोषणा की गई थी। बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने नवीन शेखरप्पा के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देकर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का वादा किया है। नवीन के पिता ने बताया कि बेटे का शव 21 तारीख को सुबह 9 बजे तक उनके गांव पहुंच जाएगा। फिर वह वीरा शैव परंपरा के अनुसार पूजा होगी और इसके बाद शव को जनता के दर्शन के लिए रखने वाले हैं।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा यात्रियों से भरी बस पलटने से 8 की मौत

नई दिल्ली । कर्नाटक के तुमकुर जिले में भीषण सड़क हादसे की खबर है। यहां पवगाडा जिले में शनिवार को एक यात्रियों से भरी हुई बस पलट गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कुछ छात्र भी शामिल हैं। तुमकुर पुलिस ने यह जानकारी दी। इससे पहले ही राज्य के विजयनगर जिले के बनवीकल्लू में एक वाहन पलट गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग 50 पर हुई इस घटना में 5 लोगों की मौत हो गई थी और 9 लोग घायल हो गए थे। मृतकों में 4 महिलाएं भी शामिल थी। खबर है कि जिस समय यह हादसा हुआ, तब यात्री रामेश्वरम की ओर जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। वहीं, अन्य की अस्पताल के रास्ते में मौत हो गई थी। बीते सप्ताह ही राज्य के कलबुर्गी में भी सड़क हादसा हुआ था। जहां बलुरागी गांव के पास एक कार पेड़ से टकरा गई थी। उस दौरान 5 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने जानकारी दी थी कि हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान बाबा साहेब, छाया, कोमल, रानी और अनव बड़े के रूप में हुई थी। छाया, कोमल, रानी और अनव बड़े के रूप में हुई थी। सभी मृतक महाराष्ट्र के अमहदनगर के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार, यात्री गनगपुर के दत्तात्रेय मंदिर से लौट रहे थे।

मिडिल ईस्ट के देश लेबनान में खाद्य संकट, भारत से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रे न जंग के चलते मिडिल ईस्ट के कई राष्ट्रों मे खाद्यान्न संकट पैदा हो गया है। इस क्षेत्र के अधिकांश देश अपने इस्तेमाल का अधिकतर गेहूं रूस और यूक्रेन से खरीदते हैं लेकिन युद्ध के कारण इन देशों को गेहूं की आपूर्ति बंद हो गई है। लेबनान भी उन्हीं देशों में शामिल है जो अपने इस्तेमाल का 60 फीसद हिस्सा रूस और यूक्रेन से खरीदता है। लेकिन अब लेबनान के सामने गहरा खाद्य संकट उत्पन्न हो गया है जिसके बाद उसने मदद के लिए भारत से गुहार लगाई है। तुर्की की समाचार एजेंसी के अनुसार, लेबनान की अर्थव्यवस्था और व्यापार मंत्री अमीन सलाम ने लेबनान में भारत के राजदूत डॉ सोहेल एजाज खान से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान लेबनान के मंत्री ने भारतीय राजदूत से रूसी हमले के कारण उत्पन्न खाद्य संकट में लेबनान की मदद करने का आह्वान किया। इस मुलाकात के बाद लेबनान के अर्थव्यवस्था मंत्रालय ने एक बयान भी जारी किया जिसमें अमीन सलाम के हवाले से लिखा गया, सलाम ने अपने कार्यालय में लेबनान में भारत के राजदूत डॉ सोहेल एजाज खान से मुलाकात की। भारत के राजदूत ने उन्हें आश्वस्त किया कि भारत के पास गेहूं का पर्याप्त भंडार है और वो इसकी आवश्यक मात्रा लेबनान

तक पहुंचाएगा। इस मुलाकात का मकसद यूक्रे न संकट के बाद उत्पन्न खाद्य संकट की स्थिति से निपटने के लिए चर्चा करना था। बनान अपने खाद्य संकट को दूर करने के लिए तुर्की के साथ भी लगातार बातचीत कर रहा है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि अमीन सलाम ने लेबनान में तुर्की के राजदूत से भी मुलाकात की। राजदूत से भी मुलाकात की। लेबनान हर महीने अपनी जरूरत का 50 हजार टन गेंहू खरीदता है। यूक्रेन संकट के कारण उसे गेहूं की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। भारत के अलावा लेबनान अन्य देशों से भी गेहूं की खरीद के लिए बात करने वाला है।

गौरव सैनी को स्टेम सेल पर की अनुसंधान करने पर 45,000 अमरीकी डॉलर का इनाम

टांडा उड़मुड़ ।

टांडा के गांव जाजा के होनहार विद्यार्थी गौरव सैनी को स्टेम सेल पर की अनुसंधान कैलिफोर्निया इंस्टीच्यूट आफ रीजनरेटिव मेडिसन (सीआईआरएम) ने 45,000 अमरीकी डॉलर का इनाम दिया है। अनुसंधान के अंतर्गत स्टेम सेलों के साथ इलाज की तकनीकों पता लगाएगा, जो कैंसर और अन्य खतरनाक बीमारियों के इलाज में लाभदायक होगी। अमीरका में बड़ा स्थान हासिल करने वाले गौरव के पिता सीनियर फार्मेसी अफसर सरकारी अस्पताल टांडा बलराज सिंह और मां फार्मेसी अफसर नवजोत कौर ने बेटे पर मान महसूस करते बताया कि गौरव अब मास्टर्ज आफ स्टेम सेल टैक्नोलॉजी कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी चैनल आईलैंडज कैमरिलियो अमरीका में पढ़ाई कर रहा है और अवार्ड प्राप्त करने के बाद वह दुनिया की नंबर तीन और अमरीका की नंबर एक यूनिवर्सिटी स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्टेम सेलों पर अन्य शोध करेगा। उन्होंने बताया कि वह होजियन डेंटल कॉलेज बद्दी (हिमाचल प्रदेश) से बैचलर आफ डेंटल सर्जरी करके अमरीका गया था। सर्जरी करके अमरीका गया था।

उन्होंने बताया कि गौरव की बहन जसलीन सैनी भी 2017 से अमरीका की यूनिवर्सिटी में सेल और कैंसर बायोलॉजी पर शोध कर रही है। बहन को 260000 डॉलर की स्कालरशिप भी मिली है। गौरव और जसलीन की इस प्राप्ति के लिए टांडा की अलग-अलग समाज सेवीं संस्थाओं, लोक इंसाफ मंच, आर्मी ग्राऊंड कमेटी, राज करेगा खालसा गतका अखाड़ा ने शुभ कामनाएं दी हैं।

राजभर ने अटकलों पर लगाया विराम, सपा के साथ हूं, सपा के साथ ही रहूंगा

लखनऊ ।

यूपी विधानसभा चुनाव-2022 सपा के साथ मिलकर लड़ने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के या भाजपा में जाने वाले हैं? इस सवाल को लेकर राजनीतिक गलियारों में शनिवार को अचानक अटकलें तेज हो गई। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि राजभर ने दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। लेकिन अब राजभर ने इस पूरे प्रकरण पर सफाई दी है। राजभर ने बीजेपी के साथ जाने की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने दावा किया कि शाह से उनकी कोई मुलाकात नहीं हुई है। यही नहीं उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात की तस्वीरें पुरानी हो सकती हैं। राजभर ने कहा कि न चर्चा है न मुलाकात है, सोशल मीडिया पर एक अफवाह फैली है। अभी सोशल मीडिया पर मैंने देखा कि 21 तारीख को शपथ ग्रहण है। फिर देखा कि 25 को है। हमारा खुद ही 28 तारीख को संयुक्त कार्यक्रम गाजीपुर जहूराबाद में है।

राजभर ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव हम लोग (सपा और सुभासपा) मिलकर लड़े हैं, लोकसभा चुनाव की तैयारी के संबंध में बैठकों का दौर चल रहा है। शाह से मुलाकात पर राजभर ने कहा कि ये सब गलत सूचनाएं हैं। ये जो अफवाहें हैं, ऐसा कुछ नहीं है। हम लोग जहां हैं, वहीं हैं। मुलाकात की तस्वीरों पर राजभर ने कहा कि हमारी बहुत सी तस्वीरें अमित शाह के साथ हैं।

गृहमंत्री शाह के पहुंचते ही सीआरपीएफ जवानों ने लगाए भारत माता की जय के नारे

जम्मू ।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 83वें स्थापना दिवस परेड में शामिल होने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौलाना आजाद स्टेडियम में पहुंचे। सीआरपीएफ जवानों ने गृहमंत्री को अपने बीच देखकर भारत माता की जय के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। यह पहली बार है, जब सीआरपीएफ दिल्ली के बाहर अपना स्थापना दिवस मना रही है। स्टेडियम में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह ने परेड की सलामी ली। सलामी लेने के बाद गृहमंत्री ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में बलिदान देने वाले जवानों के परिजनों और इन्हीं अभियानों में अपने साहस का प्रदर्शन दिखाने वाले जांबाज जवानों को पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया। उन्होंने पदक देकर बलिदानियों के परिजनों से कहा कि उनके अपनों की शहादत का पूरा देश हमेशा ऋणि रहेगा। गृहमंत्री शाह के दौरे के चलते शहर में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। शहर के मौलाना आजाद स्टेडियम में चल रहे कार्यक्रम के चलते स्टेडियम की ओर जाने वाले सभी मार्गों को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। पुल के दोनों ओर आने जाने के लिए भगवती नगर पुल व गुज्जर नगर पुल को खोला गया है। ट्रैफिक अव्यवस्था की वजह से कई जगहों पर जाम की स्थिति पैदा हो गई है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमरनाथ यात्रा और प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करने वाले हैं। बता दें कि पिछले पांच महीनों में शाह की जम्मू की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह जम्मू-कश्मीर के पांच दिवसीय दौरे पर आए थे। गृहमंत्री गत शुक्रवार देर शाम जम्मू हवाई अड्डे पर पहुंचे और वहां से सीधा राजभवन के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मेयर चंद्रमोहन गुप्ता ने उनका स्वागत किया। शुक्रवार शाम को ही आयोजित समारोह के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री शाह ने जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में शहीद हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के चार सुरक्षाकर्मियों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति आदेश सौंपे।

इस मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह तथा डीजीपी दिलबाग सिंह भी मौजूद थे। बाद में अमित शाह ने शहीद सुरक्षाकर्मियों के परिजनों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के इन बहादुर सुरक्षाकर्मियों द्वारा दिखाए गए साहस और प्रतिबद्धता पर पूरे राष्ट्र को गर्व है। केंद्रीय गृह मंत्री सीआरपीएफ स्थापना दिवस समारोह के बाद उच्चाधिकारियों की बुलाई गई बैठक के बाद वापस लौट जाएंगे।

अविश्वास प्रस्ताव से पहले इमरान खान की पार्टी में पड़ी फूट

नई दिल्ली । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी सरकार बचाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इमरान सरकार की दिक्कत तब से और बढ़ गई है जब उनकी ही पार्टी (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) के 24 सांसद उनके खिलाफ हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये सांसद अविश्वास प्रस्ताव को लेकर इमरान खान के विरोध में मतदान कर सकते हैं। 28 मार्च को मतदान होने की संभावना है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद ने इमरान खान ने मौजूदा सरकार को बचाने के लिए एक इमरान खान के बदले किसी और को पीएम बनाए जाने का फॉर्मूला पेश किया है। लेकिन पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान की राजनीति पर नजर रखने वाले का मानना है कि इमरान खान की पार्टी से हो रहे विरोध को कंट्रोल करना उनके लिए टेढ़ी खीर होने वाला है। उनके गठबंधन के साथी भी उनके पीएम रहते हुए उनके साथ नहीं रहना चाहते हैं। ऐसे में इमरान खान को सत्ता में रहने के लिए कुछ करिश्मा सा करना होगा वरना वह अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता गंवा सकते हैं। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 342 सदस्य होते हैं। माने सरकार में बने रहने के लिए इमरान खान को 172 सीटें चाहिए होगी। इमरान खान को मौजूदा वक्त में 176 सांसदों का सपोर्ट हासिल है। इसमें इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के 155 सदस्य हैं। इमरान सरकार को मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान के 7, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद के 5, बलूचिस्तान आवामी पार्टी के 5, ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस के 3 और आवामी मुस्लिम लीग पाकिस्तान के 1 सांसद का समर्थन प्राप्त है। ये कुल नंबर बनता है 176। जम्हूरी वतन पार्टी के 1 और दो निर्दलीय सांसदों ने भी इमरान खान को बाहर से समर्थन दिया हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में गरीब वंचितों के लिए अभिनव पहल, मॉल में मिलेगा जरूरत का फ्री सामान

मुंबई । मुंबई में गरीब वंचितों के लिए अभिनव पहल शुरू की गई है यहां मॉल जैसी सुविधा में जरूरत का फ्री सामान उपलब्ध कराया जाएगा। मॉल से खरीदारी करना हर वर्ग के लिए मुमकिन नहीं हो पता है। मुहिम के तहत अब इन वर्ग के लोगों के लिए वर्ली इलाके में मॉल जैसी सुविधा होगी। यहां इन लोगों के लिए कपड़े, घर की चीजें और बाकी सामान का प्रबंध किया गया है। यह सामान भारत के अलग-अलग कोने से लोगों की तरफ से दान किया जाता है और मुंबई में लाइव टू गिव फाउंडेशन द्वारा इसको लोगों को दिया जाता है। यह मॉल जैसी सुविधा लाइव टू गिव फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई है जहां आकर गरीब वर्ग के लोग निः शुल्क समान ले जा सकते हैं। वही यहां कुछ नियम भी बनाए गए हैं। जहां 1 व्यक्ति सिर्फ 10 चीजें ही ले सकता है वहीं यह सुविधा हर सप्ताह के शनिवार को ही उपलब्ध रहेगी। लाइव टू गिव फाउंडेशन का कहना है की यह सुविधा इसलिए शुरू की गई है ताकि उन लोगों की मदद हो पाए जो महंगी चीजें नहीं खरीद पाते हैं। ऐसे में उन लोगों की मदद करने के लिए यह मुहिम शुरू की गई है।

देश में कोरोना के 2,075 नए केस, 71 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना का कहर अब कम होता दिखाई दे रहा है। महामारी के नए मामलों में आज 18 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 2,075 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,30,06,080 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 27,802 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 71 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,16,352 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 27,802 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.06 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,379 की कमी दर्ज की गई है। स्वस्थ होने की दर 98.73 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक दैनिक संक्रमण दर 0.56 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.41 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 3,70,514 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई और अब तक 78.22 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच हुई है। संक्रमण से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4,24,61,926 हो गई है और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कोविड-19 रोधी टीकों की 181.04 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

यूपी में विधानपरिषद चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद यूपी में अब विधानपरिषद चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। विधानपरिषद की 36 सीटों के लिए चुनाव के नामांकन की आखिरी तारीख 21 मार्च है। बीजेपी आज अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर सकती है। विधानसभा चुनाव खत्म होने के साथ ही भाजपा ने विधान परिषद की स्थानीय निकाय क्षेत्र कोटे की 36 सीटों के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी। सभी 36 सीटों के लिए तीन-तीन नामों के पैनल मांगे गए थे। पार्टी आज अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। चुनाव प्रचार के लिए होली मिलन के सहारे हर वोटर तक पहुंचने की योजना है। प्रधानों-बीडीसी के गालों पर भगवा गुलाल लगाकर और होली की गुजिया खिलाकर वोट मांगे जाएंगे। सूबे की सत्ता में प्रचंड बहुमत मिलने से उत्साहित भगवा खेमा अब विधान परिषद में बहुमत पाने को प्रयासरत है। स्थानीय निकाय कोटे की 36 सीटों पर होने वाले चुनावों की नामांकन प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो रही है। प्रत्याशी चयन और चुनावी तैयारी को लेकर हुई बैठक में स्वतंत्रदेव सिंह ने सभी को जीत की बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह विधानसभा चुनाव जीता है, ऐसे ही विधान परिषद चुनाव भी जीतना है। वोटर लिस्ट पर फोकस करने के साथ ही सभी विधानसभा क्षेत्रों में होली मिलन समारोह आयोजित करने को कहा है।

ओपी राजभर यूटर्न मार अखिलेश को देंगे झटका अमित शाह से मुलाकात के चर्चे

नई दिल्ली । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर क्या एक बार फिर यूटर्न लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार में शामिल होंगे? मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि समाजवादी पार्टी गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़े ओपी राजभर की बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। अटकलें हैं कि ओपी राजभर एक बार फिर भाजपा के साथ जाकर योगी सरकार में मंत्री बन सकते हैं। 2017 में उन्होंने भाजपा गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा था और योगी सरकार में मंत्री भी बने थे, लेकिन बाद में वह बागी हो गए और हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के अहम गठबंधन साथी रहे। हालांकि, चुनाव में सपा की हार के बाद से ही अटकलें लगने लगीं कि राजभर एक बार फिर रास्ता बदल सकते हैं। बताया जा रहा है कि ओम प्रकाश राजभर ने शुक्रवार को दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ मुलाकात की। बैठक में सुनील बंसल भी मौजूद थे। चारों नेताओं के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत हुई। हालांकि, भाजपा या सुभासपा किसी भी पक्ष से इस मुलाकात की पुष्टि नहीं की गई है। यदि ओपी राजभर सपा का साथ छोड़ते हैं तो 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अखिलेश यादव को झटका लगेगा, वहीं भाजपा राजभर के सहारे पूर्वांचल के कुछ जिलों में हुए नुकसान की भरपाई करना चाहेगी। इन क्षेत्रों में राजभर की पार्टी की पकड़ मजबूत हो चुकी है। ओपी राजभर की पार्टी ने इस चुनाव में छह सीटों पर कब्जा किया है। भाजपा गठबंधन ने जहां 273 सीटों पर जीत हासिल की है तो सपा गठबंधन 125 सीटों पर सिमट गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गंदा हैं लेकिन धंधा हैं फिल्म का शीर्षक "कंपनी"

नाबालिग बच्चे को भी मिला ?

अपना खुद का धंधा (देशी शराब बेचने का)

क्रांति समय,सूरत

www.krantisamay.com

www.epaper.krantisamay.com

सचीन जी.आई.डी.सी के आसपास चल रहे धंधा जो लोंग आये दिन पुलिसकर्मी दिन भर हेरान-परेशान होकर खोजने पर भी नही मिलते गुजरात बंधी का पालन

तीन वर्ष से ज्यादातार स्टाफ सिर्फ सचिन जी.आई.डी.सी.में ही ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठ, और जनता के हर समास्याएं दूर करने वाले कर्मचारियों की अभिनदंन

करने के लिए समक्ष अधिकारी दिन-रात अपना फर्ज निष्ठा से निभाते हुये उनका पुलिसकर्मियों की ग्रेड पे की माँग स्वीकार न करने के बाद भी अपने अधिकार का माँग सरकार के समक्ष न रखते हुये भी अपने ड्यूटी ईमानदारी पूर्वक निभा रहे है, फिर भी इस तरह के वीडियो आये दिन शोशल मिडिया में आ जाते हैं